उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी.....

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

वर्ष: 11 || अंक: 23 || पृष्ठ: 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 06 जुलाई-2026

अंदर के पृष्ठ पर

पीड़ित महिलाओं के लिए 'संजीवनी' बना वन स्टॉप सेंटर: एक ही छत के नीचे मिल रहा न्याय और हौसला 8

सांसद रमेश अवस्थी ने रेलवे अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक 3

भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ किसानों का विरोध, 15 जुलाई से राष्ट्रीय आंदोलन का किया ऐलान

» बीपीएस न्यूज

अंबाला । आज अमरजीत सिंह मोहड़ी व गुरमीत सिंह माजरी जिला प्रधान शहीद भगत सिंह की अध्यक्षता में एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया।

प्रेस वार्ता में भारत अमेरिका ट्रेड डील को रद्द करवाने को लेकर विस्तार से बात हुई। इस मौके पर गुरमीत सिंह माजरी, मंजीत सिंह मछौंडा, कुलदीप सिंह मोहड़ी, बलजीत सिंह दुराना, भूरा कुर्बानपुर, बलकार सिंह मछौंडा, सतेंद्र सिंह महबूबपुर आदि मौजूद रहे।

किसान नेताओं ने बताया कि हाल ही में सभी किसान संगठनों के प्रतिनिधियों की चंडीगढ़ में बैठक हुई थी जिसमें भारत अमेरिका ट्रेड डील को किसान विरोधी बताते हुए इसके खिलाफ संयुक्त आंदोलन करने का निर्णय हुआ। इस आंदोलन के लिए किसान संगठनों ने सांझा मोर्चा बनाया है जिसका नाम देश बचाओ मोर्चा रखा गया है। किसान नेताओं के अनुसार उसी की कड़ी में 15 जुलाई को पूरे देश के अंदर मोटरसाइकिल रैली रखी गई है।

21 जुलाई को सभी किसान इकट्ठे होकर दिल्ली किसान घाट पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा जिसमें देश के सभी संगठन पहुंचने का निर्णय लिया गया। अंबाला में 15 जुलाई को लखनोर साहिब गुरुद्वारा से मोटरसाइकिल रैली इकट्ठे होकर अनाज मंडी अंबाला शहर पहुंचेगी। इसके पश्चात उपायुक्त को ज्ञापन दिया जाएगा। किसान नेताओं ने सभी किसानों को दोनों प्रोग्राम सफल बनाने का आग्रह किया गया।

यूपी में 47 लाख बिजली उपभोक्ताओं को बड़ा झटका

बिना बताए बढ़ा दिया गया लोड, सब्सिडी से हुए बाहर

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पॉवर कॉर्पोरेशन की ओर से बिना सूचना दिए लगभग 47 लाख बिजली उपभोक्ताओं का स्वीकृत भार बढ़ा देने से करीब 25 फीसदी गरीब उपभोक्ता सब्सिडी योजना से बाहर हो गए हैं। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने इस पर आपत्ति जताई है। पूरे मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

बढ़ाए गए भार वाले उपभोक्ताओं में करीब 50 फीसदी स्मार्ट मीटर धारक हैं। इनमें से करीब 25 फीसदी ऐसे उपभोक्ता हैं जिन्हें रियायती दरों पर बिजली मिलती थी। लेकिन भार बढ़ा देने से इन गरीब उपभोक्ताओं को मिलने वाली सब्सिडी स्वतः समाप्त हो गई है। ऐसे में ग्रामीण इलाके के गरीबी रेखा के नीचे वाले उपभोक्ताओं पर प्रतिमाह औसतन 165 रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। वहीं, शहरी गरीब उपभोक्ताओं को प्रतिमाह लगभग 435 रुपये अधिक चुकाने होंगे।

बिना सूचना दिए स्वीकृत भार बढ़ाना सिद्धांतों के विरुद्ध

राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि यह कदम विद्युत नियामक आयोग के टैरिफ आदेश के विपरीत है। टैरिफ आदेश में साफ है कि उपभोक्ताओं का तीन माह तक अधिक भार होने पर उसे सूचना दी जाएगी। इसके बाद उपभोक्ताओं को संदेश भेजकर यह बताना होगा कि उन्होंने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान अपने स्वीकृत लोड से अधिक भार का उपयोग किया।

ऐसे में स्वीकृत लोड एक किलोवाट को बढ़ाकर दो किलोवाट किया जा रहा है। बिना सूचना दिए स्वीकृत भार बढ़ाना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध है। वर्मा ने राज्य सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने भविष्य में टैरिफ आदेश और नियामकीय प्रावधानों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित करने की भी मांग।

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं पर दोहरी मार

वर्मा ने बताया कि केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने लोकसभा में लिखित जवाब दिया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद विद्युत उपभोक्ताओं से अधिकतम मांग जुर्माना नहीं वसूला जाएगा। इसके बाद भी प्रदेश में यह वसूला जा रहा है। जुर्माना लेने के साथ ही उनका स्वीकृत भार भी बढ़ाया जा रहा है। ऐसे में स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं पर दोहरी मार पड़ रही है।

बहादुरगढ़ में पुलिस एनकाउंटर: लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो बदमाश ढेर, हांसी जिम संचालक हत्याकांड में थे वांछित

दोनों पर एक-एक लाख रुपये का इनाम था, मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी घायल

» बीपीएस न्यूज

झज्जर। हरियाणा के बहादुरगढ़ में रविवार तड़के हरियाणा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स और दिल्ली पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस स्पेशल सेल की संयुक्त कार्रवाई में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो शार्प शूटर मारे गए। दोनों बदमाश 11 जून को हांसी में जिम संचालक कपिल की दिनदहाड़े हत्या के मामले में वांछित थे और उन पर एक-एक लाख रुपये का इनाम घोषित था।

एसटीएफ के एसपी विक्रांत भूषण ने बताया कि मारे गए आरोपियों की पहचान हिसार जिले के तिब्बा दानाशेर निवासी प्रवेश और जाखोड़ खेड़ा निवासी हिमांशु के रूप में हुई है। दोनों लंबे समय से फरार चल रहे थे और पुलिस को उनकी तलाश थी।

उन्होंने बताया कि खुफिया सूचना मिली थी कि दोनों हथियारों के साथ बहादुरगढ़ इलाके में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने पहुंचे हैं। सूचना के आधार पर हरियाणा एसटीएफ और दिल्ली पुलिस की संयुक्त टीम ने इलाके में घेराबंदी कर दोनों को पकड़ने का प्रयास किया।

पुलिस के अनुसार, जब टीम ने दोनों को रोकने की कोशिश की तो उन्होंने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। मुठभेड़ के दौरान एक पुलिस कांस्टेबल के पैर में गोली लगी, जबकि चार अन्य पुलिसकर्मियों की बुलेटप्रूफ जैकेट पर गोलियां लगीं। जवाबी फायरिंग में दोनों बदमाश घायल हो गए।

घायल बदमाशों को तत्काल बहादुरगढ़ के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल पुलिसकर्मी को बेहतर इलाज के लिए उच्च चिकित्सा संस्थान में भर्ती कराया गया है।

एसपी विक्रांत भूषण ने बताया कि पूरे मामले की आगे की जांच बहादुरगढ़ के डीसीपी मयंक मिश्रा की निगरानी में की जाएगी। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि दोनों बहादुरगढ़ में किस वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे थे और उनके अन्य साथियों की भूमिका क्या थी।

भूस्खलन से पर्यटन स्थल को क्षति पर्यटन ठप एवं 150 से अधिक दुकानें बंद

» बीपीएस न्यूज

कालिम्पोंग। लगातार हो रहे भूस्खलन के कारण कालिम्पोंग जिले का लोकप्रिय पर्यटन स्थल बिंदु को पिछले लगभग एक महीने से काफी क्षति हुई है। बिंदु से पहले गोपाल ब्रिज के पास पहाड़ धंसने से चार पहिया वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई है। कई बार मलबा हटाने की कोशिश की गई, लेकिन लगातार बारिश के कारण बार-बार भूस्खलन होने से स्थिति संभालना मुश्किल हो रहा है।पर्यटकों की कमी से इलाके की अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है।थानीय लोगों के अनुसार, पर्यटन पर निर्भर करीब 150 दुकानों को बंद करना पड़ा है। आमतौर पर डुआर्स घूमने आने वाले पर्यटक बिंदु जाते हैं, जहां जलढाका जलविद्युत परियोजना, जलढाका बैराज और नदी की प्राकृतिक सुंदरता देखने के लिए प्रतिदिन 400 से अधिक लोग पहुंचते थे। पर्यटन सीजन में यह संख्या और बढ़ जाती थी, लेकिन फिलहाल पूरा इलाका सुनसान पड़ा है।स्थानीय सूत्रों का कहना है कि पुराने लोहे के पुल की जगह नया पुल बनाने के लिए पहाड़ काटने के कारण ही यह भूस्खलन शुरू हुआ। मई के अंत में पहली बार धंसाव हुआ था, जिसके बाद से स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। बारिश के चलते भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र तेजी से बढ़ा है, जिससे केंद्रीय सरकारी इंजीनियरिंग एजेंसी जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स (ग्रेफ) को भी काम करने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।स्थानीय व्यवसायी अखिलेश गोस्वामी ने कहा कि पहले कभी बिंदु आने वाले रास्ते पर भूस्खलन नहीं हुआ था। पुल निर्माण के लिए पहाड़ काटने के बाद ही यह समस्या शुरू हुई। चार पहिया वाहनों की आवाजाही बंद होने से पर्यटक आना बंद हो गए हैं।वहीं, व्यवसायी मीरा गुरूंग ने कहा कि जब से गाड़ियों का आना-जाना बंद हुआ ह

ै, पूरा इलाका खाली हो गया है। मजबूरी में हमें दुकानें बंद रखनी पड़ रही हैं। अगर यही स्थिति रही तो हमारी हालत और खराब हो जाएगी।भूस्खलन को लेकर स्थानीय लोगों में डर का माहौल है।निवासी गोपाल छेत्री ने बताया कि बाइक से आने-जाने में भी खतरा बना हुआ है। कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

एक वरिष्ठ इंजीनियर ने बताया कि नया पुल निर्माण कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि बारिश के कारण भूस्खलन का दायरा बढ़ा है, लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है। अगले कुछ दिनों में निगरानी के साथ चार पहिया वाहनों की आवाजाही शुरू करने की कोशिश की जाएगी।भूस्खलन रोकने के लिए लगभग 150 फीट चौड़ी और 30 फीट ऊंची कंक्रीट दीवार बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। हालांकि, पूरी तरह स्थिति सामान्य होने और यातायात बहाल होने में अभी करीब ढाई महीने का समय लग सकता है।

अलवर में सनसनी: रातभर छत पर छिपे रहे बदमाश, सुबह जीएसटी अफसर के घर डकैती परिवार को डेढ़ घंटे तक बनाया बंधक

» बीपीएस न्यूज

अलवर। अलवर के शालीमार नगर में जीएसटी विभाग के असिस्टेंट कमिश्नर के घर तीन हथियारबंद बदमाशों ने परिवार को डेढ़ घंटे तक बंधक बनाकर मारपीट की। बदमाश 15 तोला सोना, नकदी और कीमती सामान लूटकर फरार हो गए। पुलिस जांच में जुटी है।अलवर शहर के सदर थाना क्षेत्र स्थित शालीमार नगर में शनिवार सुबह हुई दुस्साहसिक डकैती ने पूरे शहर को दहला दिया। जीएसटी विभाग के असिस्टेंट कमिश्नर ओमप्रकाश के घर तीन हथियारबंद नकाबपोश बदमाशों ने घुसकर करीब डेढ़ घंटे तक परिवार को बंधक बनाए रखा। इस दौरान मारपीट की, जान से मारने और महिला के साथ दुष्कर्म की धमकी दी तथा करीब 15 तोला सोना, नकदी और अन्य कीमती सामान लूटकर फरार हो गए।जानकारी के अनुसार, तीनों बदमाश शनिवार तड़के से पहले ही किसी तरह मकान की छत पर पहुंच गए थे और पूरी रात वहीं छिपे रहे। सुबह करीब छह बजे जैसे ही परिवार ने छत का गेट खोला, बदमाश कट्टे लहराते हुए घर में घुस आए। उन्होंने सबसे पहले ओमप्रकाश, उनकी पत्नी और बच्चों को हथियारों के बल पर कब्जे में लिया। परिवार के सदस्यों के हाथ और मुंह बांध दिए, ताकि कोई शोर न मचा सके। विरोध करने पर बदमाशों ने परिवार के साथ मारपीट की और पूरे घर में बेखौफ होकर लूटपाट की। महिला से पहने हुए सभी सोने के आभूषण उतरवा लिए। इसके बाद अलमारी खुलवाकर उसमें रखे करीब 15 तोला सोने के जेवर, नकदी और अन्य कीमती सामान अपने कब्जे में कर लिया। वारदात के दौरान बदमाश लगातार धमकाते रहे कि यदि पुलिस को सूचना दी गई तो पूरे परिवार को जान से मार देंगे। महिला को दुष्कर्म की धमकी देकर भी भय का माहौल बनाया गया। इसके बाद एडिशनल एसपी प्रियंका रघुवंशी, एडिशनल एसपी दीपक शर्मा, थाना प्रभारी और एफएसएल टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

एडिशनल एसपी प्रियंका रघुवंशी ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर बदमाशों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर वारदात का खुलासा किया जाएगा। शहर के पॉश इलाके में दिनदहाड़े हुई इस हाई-प्रोफाइल डकैती के बाद क्षेत्र के लोगों में दहशत का माहौल है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला: प्रमुख मोहन भागवत बोले- मामले पर होसबाले जो बोले, वही मेरी राय

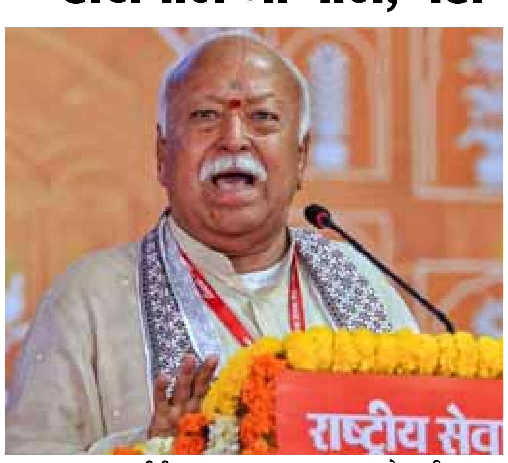

» बीपीएस न्यूज

नागपुर । भागवत ने दत्तात्रेय होसबाले के बयान का किया समर्थन; कहा - दोषियों को कड़ी सजा मिले, हिंदू समाज धैर्य-संयम रखे

अयोध्या श्री राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघके सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले के बयान के बाद अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत की टिप्पणी सामने आई है।

मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि राम मंदिर के चढ़ावे से जुड़े मामले में संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने जो कहा है, वह उससे सहमत हैं। भागवत ने नागपुर में संवाददाताओं से कहा, होसबाले द्वारा जारी बयान देखिए... मेरी प्रतिक्रिया भी वही है।

आरएसएस प्रमुख ने एक कार्यक्रम से इतर राम मंदिर के चढ़ावे में कथित गबन से जुड़े विवाद पर प्रतिक्रिया मांगे जाने पर यह बात कही।होसबाले ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा था कि अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी की घटना ने राम भक्तों और पूरे समाज की आस्था को गहरी ठेस पहुंचाई है।उन्होंने कहा था कि जांच में दोषी पाए जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

होसबाले ने दावा किया था कि हिंदू विरोधी और राष्ट्रविरोधी ताकतें इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का फायदा उठाकर हिंदू धर्म को बदनाम करने की कोशिश कर रही हैं।उन्होंने पूरे हिंदू समाज से अपील की कि वह इस कठिन समय में धैर्य और संयम बनाए रखे ताकि इस तरह की सभी साजिशों को विफल किया जा सके

अयोध्या में राममंदिर चढ़ावा चोरी से अत्यंत आहत, दुखी, लज्जित हूँ गोविन्द गिरि महाराज

» बीपीएस न्यूज

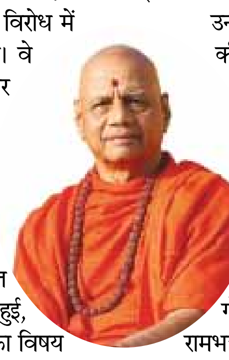

नई दिल्ली। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावा चोरी मामले में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि महाराज ने पहली बार प्रतिक्रिया देते हुए स्पष्ट किया है कि चढ़ावा गिनती स्थान और प्रक्रिया से उनका कोई संबंध नहीं रहा है तथा इस जघन्य महापाप की जांच में वह किसी के पक्ष या विरोध में नहीं हैं बल्कि सत्य के पक्ष में हैं। वे मानते हैं कि दोषियों को पकड़ कर दंडित किया जाना चाहिए।श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरि महाराज ने एक बयान जारी कर कहा है कि क्व्चढ़ावा चोरी के घटनाक्रम को लेकर वे अत्यंत आहत, दुखी एवं लज्जित हैं।% उन्होंने कहा, चोरी कितनी हुई, कब हुई, कैसी हुई यही तो जाँच का विषय है। यह जाँच गहराई से होनी चाहिए। जाँच एजेंसी पर भरोसा रखिए। न्यायालय अपना कार्य करेगा। एसआईटी और पुलिस पर हमें विश्वास है। दोषी बचेंगे नहीं। सभी को जाँच और न्याय-व्यवस्था का पूर्ण विश्वास करना चाहिए। हम न किसी के पक्ष में हैं, न किसी के विरोध में। हम सत्य के साथ हैं। हमारा आग्रह है कि पुलिस जाँच एजेंसी से दोषी को पकड़े और उन्हें दंड दे।श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी जी महाराज ने अयोध्या पहुंचने से पूर्व एक निवेदन पत्र सार्वजनिक किया है। इसमें उन्होंने स्थिति को लेकर स्पष्टीकरण दिया है। उनका कहना है कि क्व्अयोध्या मंदिर में घटित अविश्वसनीय अर्थ अपहार की घटनाओं ने रामभक्तों का हृदय विदीर्ण किया है। कुछ लोगों ने चांदी, सोने के आभूषण आदि चढ़ावे की गिनती करते समय चोरी करने का जघन्य पाप किया है। इससे हम अत्यंत आहत, दुखी एवं लज्जित हैं।गोविंद गिरी महाराज ने अपने पत्र में कई बातों को लेकर स्पष्टीकरण दिया है।

उन्होंने कहा है कि क्व्कोष में जमा की गई राशि का पूरा हिसाब सुरक्षित है और अधिकृत व्यक्ति इसकी जांच कर सकते हैं। इसके अलावा राममंदिर की ओर से किया जाने वाला व्यय सीधे बैंक से ही होता है और वे इसके अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता नहीं है।चढ़ावे के विषय में गोविंद गिरी महाराज ने कहा, रामभक्तों के द्वारा हुंडी में समर्पित चढ़ावा जहाँ गिना जाता है उस क्षेत्र से मेरा आरंभ से ही कभी कोई संबंध नहीं रहा। मेरा निवास पुणे में है। कथाओं के निमित्त प्रवास निरंतर चलता है। चढ़ावा गिनने का कार्य प्रतिदिन का दैनिक कार्य है। उसे स्थानिक न्यासी बंधु ही आरंभ से देखते रहे हैं। उसका एसओपी (गणना प्रक्रिया के लिये संयुक्त रूप से निर्धारित दिशा-निर्देश) स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ मिलकर उन्होंने ही बनाया है। वह मुझे इस महीने दिखाया गया।गोविंद गिरी महाराज का कहना है कि क्व्यासी अथवा कोषाध्यक्ष पद के लिये उन्होंने कभी कोई प्रयास नहीं किया था।

9 जुलाई को कानपुर में राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष करेंगी जनसुनवाई

सर्किट हाउस के नवीन सभागार में सुबह 11 बजे से सीधे महिलाओं की शिकायतें सुनेंगी अध्यक्ष

» बीपीएस न्यूज ब्यूरो

कानपुर नगर। महिलाओं को न्याय दिलाने और उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए आगामी 9 जुलाई, दिन गुरुवार को शहर में एक बड़ा आयोजन होने जा रहा है। राष्ट्रीय महिला आयोग (नई दिल्ली) की माननीय अध्यक्ष विजया राहटकर 9 जुलाई को कानपुर नगर के दौरे पर रहेंगी।

इस दौरान वह सर्किट हाउस स्थित नवीन सभागार में प्रातः 11ः00 बजे से एक विशेष जनसुनवाई कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगी। यात्राकी गाइड और यात्रा की जानकारीइस जनसुनवाई का मुख्य उद्देश्य जिले की पीड़ित महिलाओं की समस्याओं को सीधे सुनना और प्रशासनिक व पुलिस स्तर पर लंबित मामलों का मौके पर ही निस्तारण कराना है। कार्यक्रम में घरेलू हिंसा, कार्यस्थल पर उत्पीड़न, दहेज प्रताड़ना और सामाजिक विसंगतियों से जुड़े मामलों की सुनवाई की जाएगी। कोई भी पीड़ित महिला इस कार्यक्रम में पहुंचकर अपनी शिकायत सीधे आयोग की अध्यक्ष के सामने रख सकती है।प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, इस हाई-प्रोफाइल जनसुनवाई को लेकर जिला प्रशासन ने भी तैयारियां तेज कर दी हैं। मौके पर संबंधित विभागों के आला अधिकारियों को भी फाइलों के साथ मौजूद रहने के निर्देश दिए गए हैं ताकि मामलों की त्वरित समीक्षा की जा सके।

अपनी बात....

संपादकीय ....

बुजुर्गों की सुविधा-सुरक्षा अनुकूल हों

तकनीक दौर में चुनौती यह है कि विकास समावेशी हो। डिजिटल सेवाओं का डिज़ाइन वरिष्ठ नागरिकों की जरूरतों के अनुरूप बनाया जाए। बैंकिंग व सरकारी एप अधिक सरल हों, बड़े वित्तीय लेनदेन में अतिरिक्त मानवीय सत्यापन की व्यवस्था हो तथा साइबर सुरक्षा को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जाएं।

तकनीक ने मानव जीवन की रफ्तार को अभूतपूर्व गति दी है। सुबह की चाय के डिजिटल भुगतान से लेकर हवाई टिकट और बैंकिंग तक, सब कुछ अब एक छोटी-सी स्क्रीन पर सिमट गया है। युवाओं के लिए यह सुविधा और अवसर का नया संसार है, लेकिन हमारे बुजुर्गों के लिए यही दुनिया कई बार उलझन, असुरक्षा और निर्भरता का कारण बन जाती है। अपनों से जुड़े रहने की खुशी और हर काम के डिजिटल होने की मजबूरी के बीच पुरानी पीढ़ी जिस संघर्ष से गुजर रही है, वह आज की एक बड़ी विडंबना बन गई है।

स्मार्टफोन अब केवल युवाओं का उपकरण नहीं रहा। दादा-दादी वीडियो कॉल पर दूर बैठे अपने पोते-पोतियों को देखकर भावुक हो उठते हैं। व्हाट्सएप पर परिवार से जुड़े रहना, पुराने मित्रों को खोजना और यूट्यूब पर भजन सुनना उनके अकेलेपन को काफी हद तक कम करता है। लेकिन यही तकनीक कई बार उनके लिए परेशानी का कारण भी बन जाती है। स्क्रीन पर दर्जनों एप, लगातार आने वाले संदेश, अचानक बदली हुई सेटिंग या किसी जरूरी फाइल के मिट जाने का डर उन्हें हमेशा असहज बनाए रखता है। छोटी-सी तकनीकी चूक भी उनका आत्मविश्वास डगमगा देती है। कई बुजुर्ग इस डर से स्मार्टफोन का सीमित उपयोग करते हैं और हर नए डिजिटल काम के लिए परिवार के किसी सदस्य का इंतजार करते हैं। उनकी आत्मनिर्भरता भी प्रभावित होती है।सबसे गंभीर चिंता साइबर ठगी का बढ़ता खतरा है। डिजिटल दुनिया की सीमित समझ का फायदा उठाकर अपराधी बुजुर्गों को सबसे आसान निशाना बना रहे हैं। फर्जी बैंक अधिकारी, पुलिसकर्मी या सरकारी कर्मचारी बनकर फोन करना अब आम बात हो गई है। %डिजिटल अरेस्ट% जैसे नए साइबर अपराधों में ठग वीडियो कॉल के जरिए कानूनी कार्रवाई का डर दिखाकर वरिष्ठ नागरिकों से लाखों-करोड़ों रुपये ठग लेते हैं। केवाईसी अपडेट, पेंशन बंद होने या बैंक खाते के सत्यापन के नाम पर ओटीपी और बैंक विवरण हासिल कर जीवनभर की जमा-पूंजी साफ कर दी जाती है। आर्थिक नुकसान उन्हें गहरा मानसिक आघात भी पहुंचाता है, जिससे कई बुजुर्ग अवसाद और असुरक्षा के शिकार हो जाते हैं। कई मामलों में ठगी के बाद वे खुद को दोषी मानने लगते हैं, परिवार के सामने अपनी बात रखने से हिचकिचाते हैं। स्थिति आर्थिक ही नहीं, भावनात्मक संकट भी पैदा करती है।मगर वे इस डिजिटल व्यवस्था से दूर नहीं रह सकते। पेंशन, बैंकिंग, बिजली-पानी के बिल, सरकारी योजनाएं और स्वास्थ्य सेवाएं लगातार ऑनलाइन होती जा रही हैं। पहले पेंशनभोगी बैंक जाकर जीवन प्रमाण पत्र जमा करते थे। अब डिजिटल जीवन प्रमाण की प्रक्रिया में बायोमेट्रिक सत्यापन जरूरी है। बढ़ती उम्र के साथ उंगलियों के निशान धुंधले पड़ जाने से कई बार सत्यापन सफल नहीं हो पाता। ऐसे में उन्हें बार-बार सेवा केंद्रों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। बैंकिंग भी अब पासबुक से आगे बढ़कर पासवर्ड, ओटीपी और मोबाइल एप पर निर्भर हो गई है। एक पासवर्ड भूल जाने का मतलब कई बार अपने ही पैसे के लिए दूसरों पर निर्भर हो जाना है। रेलवे टिकट, अस्पताल में पंजीकरण, गैस बुकिंग, बीमा, पेंशन और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने जैसी अनेक सेवाओं में भी डिजिटल माध्यम प्रमुख हो चुका है। ऐसे में तकनीक से दूरी का अब विकल्प नहीं रह गया है।डिजिटल बदलाव का एक सामाजिक पहलू भी है। संयुक्त परिवारों के टूटने और युवाओं के रोजगार हेतु बाहर जाने से बुजुर्ग अकेले रह रहे हैं। ऐसे में मोबाइल और इंटरनेट अनिवार्य जरूरत बन गए हैं। जब उनके सामने तकनीकी समस्या आती है, तब अकेलापन व असहायता का एहसास गहरा हो जाता है। जरूरी है कि डिजिटल साक्षरता को केवल तकनीकी प्रशिक्षण नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा के रूप में भी देखें।निस्संदेह, तकनीक दौर में चुनौती यह है कि विकास समावेशी हो। डिजिटल सेवाओं का डिज़ाइन वरिष्ठ नागरिकों की जरूरतों के अनुरूप बनाया जाए। बैंकिंग व सरकारी एप अधिक सरल हों, बड़े वित्तीय लेनदेन में अतिरिक्त मानवीय सत्यापन की व्यवस्था हो तथा साइबर सुरक्षा को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जाएं। बैंक, डाकघर, पंचायतें, स्वयंसेवी संस्थाएं और स्थानीय प्रशासन समय-समय पर वरिष्ठ नागरिकों के लिए डिजिटल प्रशिक्षण शिविर लगाएं। इससे आत्मविश्वास बढ़ने संग, वे तकनीक का सुरक्षित उपयोग कर सकेंगे। डिजिटल साक्षरता गांव व मोहल्ले तक पहुंचे।

जिन माता-पिता और दादा-दादी ने कभी हमारी उंगली पकड़कर चलना सिखाया, आज उन्हें डिजिटल दुनिया में हमारा सहारा चाहिए।उनकी हर शंका पर झल्लाने के बजाय धैर्य से समझाना होगा कि कोई बैंक या पुलिस अधिकारी फोन पर ओटीपी नहीं मांगता और न ही वीडियो कॉल पर गिरफ्तारी होती है। तकनीक की सफलता तभी है।

भारत में नागरिकता साबित करने के दस्तावेज

निरंजन भंडारी

विदेश मंत्रालय ने हाल ही में स्पष्ट किया कि पासपोर्ट मुख्य रूप से यात्रा का दस्तावेज़ है, न कि नागरिकता का पक्का सबूत। स्वतः संज्ञान वाले इस बयान ने एक पुरानी अहम बहस को फिर जिंदा कर दिया- क्या भारत को नागरिकता के प्रमाण लिए किसी एक, पक्के सबूत की ज़रूरत है?लोगों की प्रतिक्रिया हैरानी भरी थी। यदि पासपोर्ट भी पक्का सबूत नहीं, तो फिर क्या है? क्या आधार नागरिकता का सबूत है? क्या वोटर आईडी कार्ड है? क्या कोई ऐसा दस्तावेज़ है जो इस सवाल को हमेशा के लिए सुलझा दे? सीधा जवाब है- नहीं। भारत में कभी भी नागरिकता का कोई एक, सर्वमान्य दस्तावेज़ नहीं रहा। उलझन इसलिए पैदा होती है कि हम तीन अलग-अलग अवधारणाओं, पहचान, निवास और नागरिकता, को एक ही मान लेते हैं। वे आपस में जुड़ी हैं, लेकिन एक जैसी नहीं। आधार कार्ड पहचान व निवास की पुष्टि करता है। पासपोर्ट अंतर्राष्ट्रीय यात्रा में सहायक है। वोटर आईडी कार्ड वोट देने की पात्रता बनाता है। इनमें कोई भी सभी उद्देश्यों के लिए नागरिकता का कानूनी व पक्का सुबूत नहीं, हालांकि आखिरी दो केवल नागरिकों को ही जारी किए जाते हैं।

भारत में नागरिकता नागरिकता अधिनियम, 1955 के मुताबिक तय होती है और यह जन्म, वंशावली, पंजीकरण या देशीयकरण(तय न्यूनतम अवधि तक निवास) के ज़रिए मिलती है। व्यावहारिक तौर पर, इसे किसी एक पक्के प्रमाण-पत्र की बजाय कई रिकॉर्ड्स का मिलान कर स्थापित किया जाता है। अनेक देश नागरिकों का रजिस्टर रखते हैं या नागरिकता पहचान पत्र जारी करते हैं। पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, श्रीलंका और मालदीव के पास ऐसे कार्ड हैं। अधिकांश यूरोपीय देशों में भी ऐसा है। दूसरी तरफ अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा जैसे देश हैं, वहां मामला जन्म रिकॉर्ड, पासपोर्ट और अन्य आधिकारिक दस्तावेज़ों पर निर्भर है। भारत बाद वाले देशों जैसा है ़ हमारे पास कई पहचान प्रणालियां हैं, लेकिन नागरिकता का कोई एक सर्वमान्य सबूत नहीं।आधार कार्ड का अनुभव सीखने लायक है। साल 2009 में शुरू किए गए आधार कार्ड को निवासियों की विशिष्ट पहचान के साधन के तौर पर डिज़ाइन किया गया था, ताकि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बेहतर ढंग से पहुंचाया जा सके और दोहरापन खत्म हो। इसे जानबूझकर नागरिकता से अलग रखा गया था, नहीं पता क्यों। इसका नामांकन निवास के आधार पर किया गया था, न कि राष्ट्रीयता के। नतीजतन, आधार कार्ड कभी भी नागरिकता का सबूत नहीं रहा। मुझे लगता है, यह एक चूक थी। इसे दोहरे उद्देश्य वाले दस्तावेज़ के तौर पर बनाना चाहिए था।नागरिकता पर बहस सबसे नाटकीय ढंग से असम में फिर उभरी। जहां एनआरसी सर्वे सिर्फ़ पहचान साबित करने की प्रक्रिया नहीं थी; यह राज्य में अवैध रूप से आकर बसने के इतिहास से जुड़ी नागरिकता की जांच-पड़ताल प्रक्रिया थी। 1985 के असम समझौते के तहत निवासियों को सबूत देना था कि वे या उनके पूर्वज 24 मार्च, 1971 से पूर्व भारत में मौजूद थे।सुप्रीम कोर्ट की देखरेख में हुई इस प्रक्रिया में हज़ारों अधिकारी शामिल थे, करीब 1,500 करोड़ रुपए खर्च हुए और पांच साल चली। फिर भी, नतीजा बहुत विवादित रहा। 2019 में जारी अंतिम सूची से करीब 19 लाख आवेदक बाहर कर दिये । जो लोग एनआरसी की मांग कर रहे थे, उनके मुताबिक, इसमें अभी भी अवैध प्रवासी ले लिये, जबकि बाहर किए कई लोगों का दावा था कि असली नागरिक छोड़ दिए। अंतिम आधिकारिक सूची अभी अधिसूचित नहीं की व अधर में है।तो यह प्रक्रिया विफल क्यों रही? इसका जवाब पुरानी तारीखों से नागरिकता साबित करने की जटिलता में छिपा है। लाखों आम भारतीयों कोङ्क जैसे गरीब, प्रवासी, महिलाएं, भूमिहीन मज़दूर और बाढ़ विस्थापित- दशकों पुराने दस्तावेज़ी सबूत पेश करने में मशक्कत करनी पड़ी। नाम में अंतर, रिकॉर्ड न मिलना या शादी के बाद नाम चेंज जैसी चीज़ों ने और मुश्किलें पैदा की। जब तीन करोड़ से ज़्यादा लोगों से आधी सदी से पुराने रिकॉर्ड के ज़रिए नागरिकता साबित करने को कहा जाए तो त्रुटियां स्वाभाविक है।अक्सर दी जाने वाली दलील कि पासपोर्ट या वोटर कार्ड जाली भी हो सकते हैं, लेकिन तब तो यह तर्क एनआरसी में जमा किए गए किसी भी दस्तावेज़ पर समान रूप से लागू होता है। जालसाज़ी का मुद्दा बेहतर जांच-पड़ताल वाली व्यवस्था बनाने की मांग करता है, न कि किसी दस्तावेज़ को खारिज करने की। असम का अनुभव एक बड़ा सवाल खड़ा करता है- अगर 3.3 करोड़ आबादी वाले एक राज्य में ही इतनी मुश्किलें आईं, तो क्या 145 करोड़ लोगों के साथ पूरे देश में ऐसी प्रक्रिया बिना बड़ी परेशानी संभव होगी? यहां सवाल सिर्फ़ प्रशासनिक नहीं; जनता पर भरोसे का भी है।

चुनाव आयोग में छह साल बिताने के बाद, मैं जानता हूं कि नागरिक किसी भी ऐसी प्रक्रिया पर तीखी प्रतिक्रिया देते हैं जिसे वे बोझिल या खुद को बाहर कर दिए जाने वाली मानते हों। मतदाता सूची के हालिया %स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न% से जुड़े विवाद यही दर्शाते हैं। लोगों को सत्यापन से दिक्कत नहीं। दिक्कत तब होती है जब बार-बार पुराने दस्तावेज़ दिखाने और दफ्तर -दफ्तर भागने को कहा जाये। साथ ही, नागरिकता से जुड़ी किसी भी प्रक्रिया का विरोध तब होगा जब नागरिकों को लगेगा कि इसका मकसद चुनिंदा लोगों पर लागू करना या दंडित करना है। जनता को सुविधा मिले, न कि परेशानी।तो क्या भारत को नागरिकता का पक्के सबूत का विचार छोड़ देना चाहिए? कदापि नहीं। इसके लिए संसद ने पहले ही रास्ता दिखा रखा है। साल 2003 में संशोधित नागरिकता कानून में हर नागरिक का अनिवार्य पंजीकरण, भारतीय नागरिकों का राष्ट्रीय रजिस्टर तैयार करने और राष्ट्रीय पहचान पत्र जारी करने की बात कही गई है। संलग्न नियमों में, नेशनल पॉपुलेशन रजिस्टर बनाना, तदनुसार सत्यापन एवं एनआरसी तैयार करने का प्रावधान था। इस तरह, कानूनी ढांचा करीब दो दशक से मौजूद है। कमी रही है क्रियान्वयन की नागरिक-हितैषी रूपरेखा बनाने और इसे निष्पक्ष एवं बिना जल्दबाजी लागू करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति की।वह रूपरेखा दो आधारों पर टिकी हो। पहला, जन्म का अनिवार्य रजिस्ट्रेशन (जिसे 1969 के कानून से अनिवार्य किया गया था) यह भविष्य के नागरिकता रिकॉर्ड का आधार बनना चाहिए। इसके लिए मैं दोहरे तरीके का सुझाव देता हूं- एक, जिन लोगों के पास जन्म प्रमाण पत्र है (और ऐसे लगभग 80 करोड़ लोग हैं यानि 65-70 फीसदी), उन्हें सीधे-सीधे नागरिकता कार्ड दिया जा सकता है। दो, पुरानी पीढ़ियों के लिए, सरकार मुख्य रूप से मौजूदा रिकॉर्ड पर निर्भर रहे- वोटर लिस्ट, पासपोर्ट, सरकारी सेवा रिकॉर्ड, टैक्स फाइलिंग, पेंशन रिकॉर्ड और शैक्षणिक प्रमाण पत्र। ये दस्तावेज़ दशकों से सरकार द्वारा अपने नागरिकों को दी गई मान्यता दर्शाते हैं। कोशिश सबको साथ लेकर चलने की हो, न कि शक की। नागरिकता साबित करने का बोझ बार-बार आम नागरिकों पर नहीं पड़े; सरकार की ज़िम्मेदारी हो कि वह ठोस आधार पर साबित करे कि अमुक व्यक्ति की नागरिकता की स्थिति पर सचमुच शक है। भले ही इसमें 5-10 साल लगें।

अवैध आप्रवासन एक वास्तविक चुनौती है और इसके गंभीर उपाय करने ज़रूरी भी हैं। लेकिन जो तरीके अपनाए जाएं, वे निर्दिष्ट और सबूत आधारित हों; न कि ऐसी जल्दबाजी वाली कार्रवाई, जिसमें कुछ संदिग्ध लोगों को पकड़ने को बनाए सरकारी जाल में लाखों असली नागरिक फंस जाएं ।

व्यंग्य: जातिमेव जयते!

बड़े हो रहे हैं तो शायद अब मोदी जी के प्रति प्रेम जगे !

राजनीतिक विश्लेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

अल सुबह ही मुसद्दीलाल को सोशल मिडिया से पता चला कि सुनील शेट्टी की 15 महीने की पोती मोदी जी की उनसे बड़ी फैन है। नेता मुसद्दीलाल तिलमिला गए। कहाँ मुसद्दीलाल हर रविवार मन की बात सुनने का पोस्टर सबसे पहिले जारी करते थे और कहाँ अब ये खबर की 15 महीने की पोती का मोदी जी तगड़ा कनेक्शन ! मुसद्दीलाल ने टीवी खोला तो एक पॉडकास्ट में सुनील शेट्टी बता रहे हैं कि उनकी पोती मोदी जी की फोटो निहारती रहती है और उनकी पूजा करती है। मुसद्दीलाल की आत्मा जागृत हो उठी। मुसद्दीलाल के अंडरपास से आवाज आई कि जरूर इस बच्ची का पूर्व जन्म में मोदी से कनेक्शन होगा और आने वाले समय में यह महाराष्ट्र की राजपाल टाइप की कुछ बनेगी।

तभी मुसद्दीलाल को ध्यान आया, अभी मेरी बेटी क्या कर रही होगी। सुनील शेट्टी की पोती पंद्रह महीने की ही है, मेरी बेटी तो पंद्रह साल की हो गई है। सुबह के आठ से ज्यादा बजने वाले हैं। मुसद्दी नेता ने घर श्रीमती जी को फोन किया तो पता चला, अभी लाडली सोई हुई है। इसी साल दसवीं में पास हुई है और ग्यारहवीं में एडमिशन के बाद भी अभी तक नीद मुद्रा में है। लेकिन फिर उन्हें याद आया की उसके बिटिया के कमरे की दीवारों पर या किसी टेबल, रैक आदि पर मोदी जी की फोटो तो है ही नहीं। ऐसा नहीं कि घर में फोटो नहीं हैं। कई हैं पर उसके कमरे में तो एक में विराट कोहली बल्ला उठाए है, एक में नेहरू जी मुस्कुरा रहे हैं, दूसरी दिवार पर गौतम बुद्ध की ध्यानमग्न मुद्रा वाली फोटो है और दरवाजे पर बाबा साहब किताब लेकर खड़े है बस मोदी जी नहीं है। अफसोस हो रहा है कि मोदी की फोटो जब मैंने खुद के अंतर्मन में टांगी ही नहीं तो मेरे बच्चे प्रेरित होंगे कैसे। अब अगर कभी निहारेंगे भी तो जो दीवार पर टंगी निस्सार लोगों की फोटोज हैं, उन्हें ही तोज।

ऊपर से, मेरे बच्चों का दिमाग मै ने ही खराब किया है। भाजपा में भले अपने जातिवादी मानसिकता और वोटरों के भरोसे हूँ पर टीवी या टैब आदि पर बच्चों को रवीश कुमार, ध्रुव राठी अभिजीत दिमके, रावन जैसों की वीडियोज देखने के लिए प्रेरित करता हूँ क्यूंकि कल को क्या पता भाजपा सवर्णो की पार्टी फिर से बन जाए ! मैं पार्टी में मलाई खा रहा इसके चक्कर में अपने बच्चे पर बाप की सीख तो असर करती ही है। बड़े हो रहे हैं तो शायद अब मोदी जी के प्रति प्रेम जगे ! हालांकि, तब तक मोदी जी की जगह अपने शाह जी के बेटे जय जी जगह ले लेंगे उनकी फोटू लगानी होगी या क्या पता, श्रद्धेय योगी जी विराजने लगें। क्या फर्क पड़ता है? राम के अवतार के बाद कृष्ण का ही तो अवतार हुआ था और अधिक कलाओं से युक्त। सुनते हैं, राम से भी अधिक कलाएं कृष्ण के पास थीं। सोलह कला शायद। तय है कि मोदी के बाद अगर शाहावतार हुआ या बुलडोजर अवतार हुआ तो वे और अधिक कलाएं दिखाएंगे। देश भी तब तक विश्वगुरु की पोस्ट पर कन्फर्म हो जाएगा, जातिवाद का धंधा भी तब तक खूब व्यापक स्तर तक फैल जाएगा। युवा होते बच्चे कब इन नौकरी सौकरी के जाल में उलझ जाएं, कौन बता सकता है मेरे बच्चों को तो आरक्षण और नौकरी फिक्स है !

हर बाप की तरह मुसद्दीलाल भी अपने बच्चों से अपने अनुसार चलने की उम्मीद करते है और यही सीख भी उन्हें दे रहें । एकाध साल पहले एक दिन मेरा ध्यान गया कि फलाने प्रदेश अध्यक्ष जी भी तो गैर सवर्ण है और अपनी जाति के दम पर आरक्षण और मंत्री पद की मलाई जम कर खाए हुए है और अब मोदी जी की फोटो लगाकर खूब माल भूना रहें उनका बीए में पढ़ने वाला बेटा टीवी पर कोई न्यूज चैनल लगाए है और कोई रवीश टाईप का एंकर खूब जोर जोर से चीख रहा है। वही हिंदू मुसलमान, मंदिर मस्जिद, देशद्रोही टाइप कोई मुद्दा था। देखते ही मै डर गया कि बच्चे यह सब क्या देख रहे हैं। मै ने बाकायदा चैनलों के नाम गिना दिये कि इन सबको देखना मना है पार्टी में , बल्कि इनका नाम नजर आते ही क्लिक करना मना है, और, ये सब जो सूट टाई धारी सजीले एंकर और स्मार्ट सुंदर टाइप एंकरानियां हैं वे इसलिए लाखों का पगार दे कर नियुक्त हैं कि तुम्हारे जैसी

नई पीढ़ी के बच्चों का दिमाग खराब कर दें। बुजुर्गों में तो जिनका दिमाग खराब होना था हो चुका है तभी तो देश और समाज का यह हाल है।

नई उम्र के बच्चों में ऐसा विवेक अगर जग सके कि वे सही चीजें देख पढ़ सकें तो उनका भी भला हो। देश और समाज का भी भला हो। हमारी पीढ़ी ने ÷हम लाएं हैं तूफ़ान से किश्ती निकाल के÷ वाला गाना अपने बचपन में सुना लेकिन किया उसका उल्टा। ÷इस देश को रखना मेरे बच्चों सम्भाल के÷ की जगह बाप दादा की पीढ़ी ने जो आरक्षण की किश्ती तूफान से निकाल कर उसकी पतवार हमें सौंपी, हम उसे एक नए भँवर में खींच लाए। अब, पेंशन खत्म, सरकारी नौकरी के पदों का थोक के भाव से खात्मा, प्राइवेट नौकरियों में इतना भी वेतन नहीं कि ÷जामे कुटुम समाय÷, आगंतुक ÷साधु÷ की तो बात ही क्या। नौकरी में अपने हक और हित के लिए थोड़ी सी भी आवाज उठाई तो पीठ नहीं, चूज पर लात मार कर बाहर कर दिए जाने का खतरा, काम इतना अधिक कि जवानी में बूढ़े हो जाएं, छुट्टियों की बात करना अपराध, अस्पतालों का निजीकरण, पढ़ाई की फीस इतनी महंगी कि बच्चों के बाप का दम निकल जाएज्आदिज्आदि।

उधर सवर्णो के बाप दादा ने आजादी के समय जुलूस निकाल कर, अनशन धरना करके, जेल जाकर, ज्ञापन सौंप कर, सत्याग्रह करके जो भी हक और सुविधाएं हासिल की, जैसा समाज बनाने का सपना देखा,सवर्णो की पीढ़ी एक एक कर सब गंवाती गई। उन्होंने पाया क्याज्? घंटा असली मलाई तो हम खा रहें बस मोदी जी की विश्वगुरु वाला फोटू टांग कर और चेपकर । बड़े हो रहे बच्चों में यह विवेक जगाना होगा कि सूचना प्रदूषण और चारों ओर फैले भ्रमजाल के दौर में वे क्या देखें, क्या सुनें, क्या पढ़ें। सुनील शेट्टी जैसों की पोती तो मोदी की फोटो निहारना अफोर्ड कर सकती है, पर अपने धर्मेंद्र प्रधान की दया से अब सवर्णो के बच्चे उतने बड़े महामानव की फोटो निहारना अफोर्ड नहीं कर सकते। उन्हें आगे देखना होगा, उस फोटो के पीछे छिपे अंधियारे की पहचान करनी होगी, उस फोटो के साथ दिख रहे आभामंडल की कृत्रिमता की पहचान करनी होगी।

उनके लिए हम सबने दुनिया को, जिंदगी जीने की परिस्थितियों को बेहद कठिन बनाने में, उनकी राहों में काँटे बिछाने में अपनी जिंदगी खपा दी। उतनी श्रद्धा कैसे अफोर्ड करें हमारे जैसों के बच्चे कि आज मोदी की फोटो निहारें और कल के शाहावतार की आकुल प्रतीक्षा करें या कि योगी के लिए व्याकुल हो पुकार लगाएं ÷तारणहार आएगा, तारणहार आएगा।÷ हम जातिवादी नेतागण सवर्णो के बच्चों में इतना विवेक जाग्रत होने ही नहीं देंगे कि वे अपने लिए, अपनी भावी पीढ़ियों के लिए बेहतर दुनिया, बेहतर समाज बना सकें। तब वे अपना नेता हमें खुद ही चुन लेंगे। विवेकशील जनता ही लोकतंत्र की असली शक्ति है। तब सवर्ण लोगो की मर्जी ही नहीं चलेगी की वह राहुल गांधियों, अखिलेशों, तेजस्वियों को भी खारिज कर दे। बस वो बड़े ङ्क बड़े डायलॉग मारे , अपने पूर्वजों के त्याग, बलिदान को पहचाने ।

स्वतंत्रता संघर्ष का इतिहास पढ़े। उसके बाद के दौर में भीषण गरीबी, पिछड़ेपन, भूख, अशिक्षा आदि से लड़ने वाले अपने दादा, परदादा की पीढ़ी को याद करें। उन्हें पता है कि उनके पूर्वजों ने कैसे झंझावातों से देश को बाहर ला कर दुनिया में एक पहचान दिलाई, एक मुकाम दिया। सवर्ण और बड़े लोगों के बच्चे अगले अवतार की प्रतीक्षा करें, वर्तमान अवतार की फोटो निहारें। हम जैसों के बच्चों को तो सब मुफ्त का मिलेगा ही बस उन्हें मोदी ङ्क शाह में विवेक जाग्रत करना होगा, करप्शन में लगे चार्ज से जूझने का कौशल हासिल करना होगा। जातिमेव जयते।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,
bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -ः मो.ः 8423454502
email:bps.knp786@gmail.com

मौसम सुहावना होने के बावजूद चिड़ियाघर में नही आ रहे दर्शक, बहुत कम निकल रहे बाड़ों से जानवर

» उमस भरी गर्मी के कारण लगातार घट रही जू में दर्शकों की संख्या

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर चिड़ियाघर में वर्तमान में दर्शक कम पहुंच रहे है। कारण सीधा है उमस भरी गर्मी। पहले लू-और गर्मी के कारण आने वाले दर्शकों की संख्या कम हुई थी और अब उमस दर्शकों को रोक रही है। कुछ दर्शकों ने बात-चीत के दौरान बताया कि बारिश के बाद वह परिवार के साथ यहां पहुंचे लेकिन वह उमस भरी गर्मी में बेहाल हो गये। वहीं बाडों से जानवार बाहर नही आ रहे है। पंक्षियों और जलजीवों को ही देखा जा सकता है। बडे और मुख्य जानवर गर्मी के कारण बाडों में ही है।

चिड़ियाघर में वर्तमान में दर्शक कम पहुंच रहे है। बीते एक सप्ताह में बारिश के बाद जहां तपती गर्मी में कुछ राहत पहुंची तो वहीं अब उसम भरी गर्मी के कारण लगातार दर्शकों की संख्या घट रही है। जो दर्शक चिड़ियाघर पहुंच भी रहे है वह गर्मी के कारण बेहाल दिखे। शुक्लागंज से आये एक दर्शक गोविन्द ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ यहां आये लेकिन गर्मी के कारण वह सभी बेहाल हो गये है। जू पूरी तरह घूमने की गर्मी के कारण इच्छा समाप्त हो गयी है। वहीं जल जीवों और पछियों के बाडों को देख लिया है, बडे जानवर अपने बाड़ों में ही कैद है।

गांधीग्राम के दिनेश गुप्ता ने बताया कि गर्मी बहुत है। बहुत कम समय बिताने के बाद हम सभी वापस जा रहे है, जब गर्मी और कम होगी तब दुबारा घूमने आयेंगे। घूमने आये कुछ लोगों ने कहा कि सुबह और शाम ही जू में आया जा सकता है यदि सुबह 8 बजे से जू खोला जाये तो दर्शक दोपहर तक अपने गंतव्य को वापस जा सकते है इसी प्रकार शाम का भी समय बढाया जाये। वहीं जू प्रशासन का कहना है कि तपती गर्मी तो कम हुई है लेकिन बारिश के बाद निकली धूप और उमस के कारण अधिकांश जानवर बाडे में ही रहते ह।

वहीं सुबह और शाम जानवर बाहर आते है। बदले मौसम और उमसभरी गर्मी के बीच जानवरों की देखभाल भलि प्रकार से की जा रही है तथा उनके खान-पान के साथ स्वास्थ्य पर भी बारीकी से नजर रखी जा रही है। बताया गया कि यह सच है कि वर्तमान में जू में दर्शकों की संख्या में कुछ कमी आयी है, जिसका कारण गर्मी है वहीं जुलाई तक जू खुलने का समय सुबह 9 बजे से शाम 5-30 बजे का है। बताया कि नवम्बर से सुबह 9 बजे से शाम 4-30 बजे तक जू का समय रहेगा।

समयसीमा में पूरी हों विकास परियोजनाएं, विलंब पर कार्यदायी संस्थाएं होंगी ब्लैकलिस्ट: मंडलायुक्त

» 50 लाख रूपये से अधिक लागत की परियोजनाओं की समीक्षा, उद्योग, कृषि, वृक्षारोपण एवं मानसून तैयारियों पर दिए निर्देश

» मंडल के हर जनपद में विकसित होगी 'खाऊ गली', एक जनपद-एक व्यंजन के साथ मिलेंगे पड़ोसी जनपदों के स्वाद

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मंडलायुक्त के. विजयेंद्र पांडियन की अध्यक्षता में सोमवार को आयुक्तावास स्थित सभागार में विकास कार्यों तथा 50 लाख रूपये से अधिक लागत की निर्माणाधीन परियोजनाओं की मंडलस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में कानपुर नगर, कानपुर देहात, इटावा, औरैया, फर्रुखाबाद एवं कन्नौज के जिलाधिकारी तथा मुख्य विकास अधिकारी शामिल हुए।

मंडलायुक्त ने सभी निर्माणाधीन परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समय से कार्य पूर्ण न करने वाली कार्यदायी संस्थाओं को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। सभी अधिकारियों को अंतर विभागीय समन्वय स्थापित कर परियोजनाओं को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मंडलायुक्त ने कहा कि मंडल के प्रत्येक जनपद में 'खाऊ गली' विकसित की जाएगी। यहां एक जनपद, एक व्यंजन (ओडीओसी) के अंतर्गत संबंधित जनपद के पारंपरिक व्यंजनों के साथ निकटवर्ती जनपदों के ओडीओसी खाद्य उत्पाद भी उपलब्ध रहेंगे।

उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन योजना के अंतर्गत प्रत्येक जनपद में 50-50 एकड़ भूमि चिन्हित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह योजना स्वरोजगार के लिए महत्वपूर्ण पहल होगी। साथ ही संत कबीर टेक्सटाइल पार्क की स्थापना के लिए भी सभी जनपदों से उपयुक्त भूमि का प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मानसून की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मंडलायुक्त ने सभी प्रमुख नालों की सफाई समय से पूर्ण कराने, संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए नाविक एवं गोताखोरों की सूची तैयार रखने तथा पशुओं का टीकाकरण समय से पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

जुलाई माह में प्रस्तावित बृहत वृक्षारोपण अभियान की समीक्षा करते हुए उन्होंने पौधारोपण की सभी तैयारियां समय से पूर्ण करने तथा पौधों के संरक्षण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कानपुर मंडल के छह जनपदों में इस वर्ष 2 करोड़ 98 लाख 75 हजार 500 पौधे लगाए जाने का लक्ष्य निर्धारित है। इनमें सर्वाधिक 60 लाख 68 हजार 600 पौधे इटावा तथा 56 लाख 92 हजार 100 पौधे कानपुर देहात में लगाए जाएंगे। उन्होंने नदी पुनरुद्धार अभियान के अंतर्गत नदियों के दोनों किनारों पर वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के निर्देश भी दिए।

कृषि योजनाओं की समीक्षा के दौरान बताया गया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत कानपुर मंडल के 14 लाख 8 हजार 836 किसानों को 22वीं किस्त के रूप में 5,790 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ वर्ष 2025 में 1 लाख 21 हजार 948 किसानों का बीमा किया गया, जिनमें से 30 हजार 402 किसानों को लगभग 16 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति प्रदान की गई। वहीं रबी वर्ष 2025-26 में 803 किसानों को 1.82 करोड़ रुपये का दावा भुगतान किया गया। मंडलायुक्त ने अधिकाधिक किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से जोड़ने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना की समीक्षा के दौरान मंडलायुक्त ने कानपुर देहात के खराब प्रदर्शन पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने विशेष शिविर आयोजित कर बैंकों एवं वेंडरों से समन्वय स्थापित करने तथा योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए।

गुमशुदा बालक को पुलिस ने मात्र 6 घंटे में किया सकुशल बरामद

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। राहुल निवासी ग्राम उत्तरीपुरा, थाना बिल्हौर का लगभग 7 वर्षीय पुत्र, जो अपनी दादी के पास गांधी मार्केट, जीटी रोड, चौकी इंदिरा नगर क्षेत्र में रह रहा था, प्रातः लगभग 9:30 बजे घर से निकला था। काफी तलाश के बाद भी बालक का कोई पता न चलने पर पुलिस को सूचना दी गई।सूचना प्राप्त होते ही उपनिरीक्षक सैय्यद खादिम सज्जाद, चौकी प्रभारी इंदिरा नगर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल पुलिस टीम गठित कर आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का गहन विश्लेषण कराया तथा संभावित स्थानों पर लगातार सघन तलाश अभियान चलाया। पुलिस की त्वरित, सतर्क एवं प्रभावी कार्रवाई के परिणामस्वरूप गुमशुदा बालक को लगभग 6 घंटे के भीतर थाना चौबेपुर क्षेत्र से सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।बालक के सकुशल मिलने पर परिजनों ने पुलिस टीम की तत्परता, संवेदनशीलता एवं उत्कृष्ट कार्यशैली की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया। स्थानीय नागरिकों ने भी पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की।

कानपुर मण्डल में भव्य 'मण्डल स्तरीय पोल्ट्री कॉन्क्लेव-2026' का आयोजन

» कुक्कुट पालन को आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक नवाचार और सरकारी योजनाओं से मिलेगी नई दिशा - राकेश कुमार सचान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पशुपालन विभाग, कानपुर मण्डल द्वारा अपर निदेशक ग्रेड-॥ डॉ. विजयवीर चन्द्रयाल एवं मुख्य तकनीकी अधिकारी (कुक्कुट) डॉ. ऋचा राठौर के नेतृत्व में सोमवार को चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए), कानपुर के लाल बहादुर शास्त्री कृषक सभागार में 'मण्डल स्तरीय एक दिवसीय पोल्ट्री कॉन्क्लेव-2026' का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय कैबिनेट मंत्री राकेश कुमार सचान ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति, मुख्य विकास अधिकारी कानपुर नगर, संयुक्त विकास आयुक्त कानपुर, अपर निदेशक ग्रेड-1 (पोल्ट्री), लखनऊ, मण्डल के सभी जनपदों के मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, पशु चिकित्सा अधिकारी, पोल्ट्री उद्यमी तथा कुक्कुट पालन के क्षेत्र में स्वरोजगार स्थापित करने के इच्छुक प्रशिक्षु एवं प्रगतिशील किसान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कॉन्क्लेव की विशेषता यह रही कि पहली बार पोल्ट्री उद्योग से जुड़े अग्रणी उद्यमियों, विशेषज्ञों एवं प्रमुख फार्मा कंपनियों के प्रतिनिधियों ने एक साझा मंच पर सहभागिता करते हुए किसानों और पशुपालन विभाग के अधिकारियों के साथ तकनीकी संवाद स्थापित किया। इस दौरान आधुनिक कुक्कुट पालन, उत्पादन वृद्धि तथा उद्योग की संभावनाओं पर व्यापक चर्चा हुई।

तकनीकी सत्र में पशुपालन विभाग के विशेषज्ञों, पोल्ट्री उद्योग के प्रतिनिधियों एवं फार्मा कंपनियों के विशेषज्ञों ने मुर्गियों में होने वाले प्रमुख रोगों की रोकथाम, उन्नत दवाओं एवं टीकों के उपयोग, गुणवत्तापूर्ण फीड सप्लीमेंट्स तथा आधुनिक प्रबंधन तकनीकों पर विस्तृत जानकारी दी। विशेषज्ञों ने कहा कि वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर किसान कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्य विकास अधिकारी ने बैकयार्ड पोल्ट्री को ग्रामीण आजीविका एवं स्वरोजगार का प्रभावी माध्यम बताते हुए बैंकिंग संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित कर ऋण एवं अनुदान की प्रक्रिया को सरल बनाने पर बल दिया।

मुख्य अतिथि राकेश कुमार सचान ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश सरकार कुक्कुट पालन को रोजगार एवं आय वृद्धि का सशक्त माध्यम बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, अनुदान एवं सब्सिडी की जानकारी देते हुए अधिकाधिक युवाओं एवं किसानों से इस क्षेत्र में आगे आने का आह्वान किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति एवं वैज्ञानिकों ने किसानों को जैव-सुरक्षा उपायों, हैचरी प्रबंधन, आधुनिक पोल्ट्री तकनीकों तथा वैज्ञानिक पद्धति से कुक्कुट पालन के विभिन्न पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. विजयवीर चन्द्रयाल ने सभी अतिथियों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों, मुख्य पशु चिकित्साधिकारियों, पशु चिकित्सकों, फार्मा कंपनियों एवं पोल्ट्री उद्योग के प्रतिनिधियों तथा दूर-दराज से आए किसानों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य विभागीय तकनीकी विशेषज्ञता, वैज्ञानिक अनुसंधान और उद्योग जगत के सहयोग से कानपुर मण्डल में कुक्कुट पालन को नई गति प्रदान करना तथा किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करना है।

बुंदेलखण्ड अध्यक्ष का कानपुर गंगापुल पर किया गया भव्य स्वागत

भीषण उमस और गर्मी के बीच स्वागत देख बुंदेलखण्ड अध्यक्ष हुए गदगद

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बुंदेलखण्ड के नव निर्वाचित अध्यक्ष राम किशोर साहू अपना पद ग्रहण करने के लिए कानपुर पहुंचे। कानपुर पहुंचने पर जाजमऊ गंगा पुल पर एकत्र भाजपाईयों ने बडे जोश के साथ उनका स्वागत किया। उन्हे माला

पहनाकर नारेबाजी की। इसके उपरान्त हरजेन्दर नगर चैराहे पर युवा नेता करन महाना द्वारा उनका स्वागत किया गया।

बतादें कि राम किशोर साहू को बंदलेखण्ड का नव निर्वाचित अध्ययक्ष चुना गया है।

सोमवार को पद ग्रहण करने के लिए वह कानपुर पहुंचे। भीषण गर्मी के बावजूद वहां बडी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उनके स्वागत के लिए उपस्थित रहे। उनके आगमन पर उनका माल्यापर्ण किया गया तथा जिंदाबाद के नारे लगाये गये। राम किशोर साहू अपना भव्य स्वागत देख गदगद हो गये और हाथ जोडकर सभी का अभिवादन किया। इसके उपरान्त वह हरजेन्दर नगर चैराहा पहुंचे, जहां क्षेत्र के विधायक सतीश महाना के पुत्र करन महाना द्वारा उनके स्वागत का कार्यक्रम रखा गया था। इस दौरान राम किशोर साहू को पटका पहना कर तथा उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

सांसद रमेश अवस्थी, विधायक सुरेन्द्र मैथानी, विधायिका नीमिला कटियार आदि अन्य भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

बंद मकानों में चोरी करने वाले गैंग का पुलिस ने किया खुलासा, एक शातिर को गिरफ्तार कर भेजा जेल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। थाना सेन पश्चिम पारा पुलिस ने 19 जून 2026 को सेक्टर-7 स्वर्ण जयंती विहार में हुई चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए एक शातिर अभियुक्त अंशू को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के कब्जे से चोरी की करीब 632 ग्राम चांदी की ज्वैलरी, ज्वैलरी बेचकर प्राप्त ?1 लाख नगद, घटना में प्रयुक्त स्कूटी तथा एक देशी तमंचा व दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।जांच के दौरान 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्तों की पहचान की गई। पूछताछ में सामने आया कि गैंग पहले बंद मकानों की रेकी करता था, फिर ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम देता था। चोरी के सामान को बेचकर आरोपी मौज-मस्ती और घूमने फिरने पर खर्च करते थे।

गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। गैंग के अन्य फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। अभियुक्त को जेल भेजा गया है।

बिरयानी में कॉकरोच की शिकायत होने पर रेस्टोरेंट में खाद्य विभाग का छापा, सैंपल भेजा लैब

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। स्वरूप नगर स्थित 'वैद्यम रेस्टोरेंट' में दोपहर करीब 3-00 बजे खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने औचक निरीक्षण किया। यह कार्रवाई शिकायतकर्ता विवेक शुक्ला की शिकायत पर की गई, जिन्होंने रेस्टोरेंट की बिरयानी में कॉकरोच मिलने का आरोप लगाया था।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी सोमनाथ कुशवाहा और डॉ. देवेंद्र सिंह आजाद की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। हालांकि, निरीक्षण के दौरान रेस्टोरेंट में साफ-सफाई और रखरखाव का स्तर मानकों के अनुरूप पाया गया।

इसके बावजूद, मौके पर तैयार रखी बिरयानी की गुणवत्ता और शुद्धता पर संदेह होने के कारण टीम ने बिरयानी का एक सैंपल (नमूना) सील कर जांच के लिए प्रयोगशाला (लैब) भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि लैब रिपोर्ट आने के बाद नियमों के अनुसार आगे की उचित विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा लाभार्थीपरक योजनाओं से कराये जा रहे कार्यों का किया गया औचक निरीक्षण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अभिनव जे0 जैन मुख्य विकास अधिकारी द्वारा विकास खण्ड चौबेपुर के अन्तर्गत विभिन्न लाभार्थीपरक योजनाओं से कराये जा रहे कार्यों का औचक निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के समय आलोक कुमार सिंह, परियोजना निदेशक, डी0आर0डी0ए0, डा0 आर0एस0वर्मा, उप कृषि निदेशक, कानपुर नगर उमेश चन्द्र उत्तम, जिला उद्यान अधिकारी उपस्थित थे।

1. पान की खेती योजनान्तर्गत द्वारा ग्राम-फत्तेपुर स्थित राजेन्द्र चौरसिया कृषक के प्रक्षेत्र पर स्थापित 1500 वर्गमीटर में लगे पान की खेती का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय कृषक द्वारा पान के उत्पादन लागत एवं होने वाली सलाना आय के बारे में अवगत कराया गया। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा पान के और कृषकों को लाभान्वित कराये जाने के निर्देश दिये गये जिला उद्यान अधिकारी को दिये गये।

2. खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 विनीत अग्निहोत्री पुत्र गिरजा शंकर के द्वारा ब्लू वर्ड मन्धना रोड के निकट स्थापित मे0 शंकर कान्फेक्शनरी का निरीक्षण किया गया। इस योजना हेतु रू0 1.98 करोड़ का प्रस्ताव सबमिट किया गया, जिसमें 35 प्रतिशत का अनुदान देय है, इकाई में लॉलीपाप, फ्रूट जेली, जेम, बफर आदि का प्रतिदिन लगभग 1 टन का उत्पादन किया जा रहा है। योजनान्तर्गत प्रथम किश्त अनुदान के रूप में रू0 19.00 लाख उद्यमी को प्राप्त हो चुकी है।

3. प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना अन्तर्गत तनवीर द्वारा ग्राम-सादीपुर, मन्धना पचोर रोड में स्थापित बेकरी यूनिट का निरीक्षण किया गया। लाभार्थी द्वारा बेकरी यूनिट स्थापित करने के लिए रू0 34.14 लाख का आवेदन किया गया। बैंक द्वारा रू0 27.65 लाख का ऋण मिला जिस पर रू0 10.00 लाख योजनान्तर्गत अनुदान प्राप्त हुआ। बेकरी यूनिट में वर्तमान समय में 7 कु0 से 8 कु0 उत्पादन क्षमता से कार्य हो रहा है। जिला रिसोर्स पर्सन श्री शिवम त्रिपाठी को निर्देशित किया गया कि दिशा निर्देशों के अनुरूप सम्बन्धित को और लाभ दिलाया जाये। साथ ही जिला उद्यान अधिकारी को निर्देशित किया गया कि योजना का और अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार कर योजना से लाभार्थियों को लाभान्वित कराया जाए।

4. ब्रम्हावर्त नेचर फार्मिंग प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड, ग्राम किशुनपुर, चौबेपुर एफ0पी0ओ0 के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष कुमार शुक्ला के साथ-साथ एफ0पी0ओ0 के अन्य शेयर धारक कृषक मौजूद थे, एफ0पी0ओ0 के अन्तर्गत स्थापित फार्म मशीनरी बैंक एवं सोलर सिस्टम का निरीक्षण किया गया। शुक्ला द्वारा बताया गया कि उवर्रक की डीलर शिप के तहत उवर्रक विक्रय की जाती है इस कार्य को और वृहद तरीके से किये जाने हेतु विकास खण्ड चौबेपुर की श्री अन्नपूर्ण स्वयं सहायता समूह, शिव, शीतर एवं सरास्वती स्वयं सहायता समूह विकास खण्ड कल्यानपुर की उज्जवला एवं आशा स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को भी प्लांट दिखाया गया तथा प्रोत्साहित किया गया इस प्रकार वह भी अपना प्लांट लगाकर लाभान्वित हो सकती है।

5. चौबेपुर मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड, उदैतपुर, चौबेपुर एफ0पी0ओ0 के निदेशक सिद्धनाथ के साथ-साथ एफ0पी0ओ0 के अन्य शेयर धारक कृषक मौजूद मिले। एफ0पी0ओ0 के निदेशक से आय-व्यय के सम्बन्ध में जानकारी करने पर उनके द्वारा अवगत कराया गया कि स्थापित फार्म मशीनरी बैंक में सम्मिलित कृषि यंत्रों में प्रति कृषि यंत्र रू0-400/-प्रति बीघा की दर से किराये पर दिये जाते है जिससे आय प्राप्त हो रही है।

6. सतीश कुमार चौरसिया, ग्राम उदैतपुर, चौबेपुर के द्वारा की जा रही मल्टीलेयर फार्मिंग में कुंदरू फसल की जा रही तथा कृषक से होने वाली आय के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी, इसी प्रकार से और कृषकों को भी प्रोत्साहित करने के निर्देश दिये गये।

7. ग्राम पंचायत किसुनपुर की समूह की महिलाओं द्वारा बताया गया कि वर्तमान में पशुपालन एवं मिल्क कलेक्शन का कार्य किया जा रहा है तथा आरसेट्टी से प्रशिक्षण प्राप्त कर आचार-मुरब्बा, पापड़ आदि का कार्य किया जा रहा है।

8. ग्राम पंचायत बरहट बांगर विकास खण्ड कल्यानपुर के उज्जवला स्वयं सहायता समूह के द्वारा सी0एम0युवा उद्यमी योजनान्तर्गत आटा मील व बेसन निर्माण तथा पैकेजिंग का कार्य किया जा रहा है,कल्यानपुर में संचालित आशा स्वयं सहायता समूह के द्वारा आशा मौर्या के द्वारा भी मस्टर्ड आयल एवं रिफाइंड आयल यूनिट के लिए फण्ड की समस्या बतायी गयी। इस सम्बन्ध में जिला उद्यान अधिकारी को निर्देश दिये गये कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना क्क्स्स्ध से लाभान्वित कराया जाए।

सांसद रमेश अवस्थी ने रेलवे अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

» 600 करोड रू0 से स्टेशन पुर्नविकास कार्य का लिया जायजा

» अतिक्रमण, सफाई के अलावा कुलियों की समस्याओं पर अधिकारियों को दिए निर्देश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। भाजपा सांसद रमेश अवस्थी बुधवार को कानपुर सेंट्रल पहुंचे जहां 600 करोड रू0 से कराये जा रहे पुर्निमाण कार्यो को देखा, उनकी जानकारी ली, वही रेलवे अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की। समीक्षा बैठक के बाद सांसद रमेश अवस्थी ने स्टेशन के प्लेटफार्म नं0 1 से लेकर प्लेटफार्म नं0 9 तक बने फुट ओवर ब्रिज के साथ ही स्टेशन परिसर का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने सफाई तथा अतिक्रमण पर विशेष ध्यान दिया, साथ ही अधिकारियों को कुलियों की समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए।बुधवार को भाजपा सांसद रमेश अवस्थी कानपुर सेंट्रल स्टेशन पहुंचे जहां चल रहे पुर्ननिर्माण के कार्य को देखा व प्लेटफाम को तथा ओवर ब्रिज का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने कहा कि सेन्ट्रल पर पुर्निमाण का कार्य तेजी के साथ एयरपोर्ट की तर्ज पर कराया जा रहा है।

उन्होने घंटाघर की ओर बन रहे नऐ भवन के कार्य को भी देखा तथा निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत कार्य पूर्ण कराने को कहा।उन्होने रेलवे के सीटीएम अकांशु गोविल से निर्माण कार्य सम्बन्धी जानकारी ली। वहीं प्लेटफार्म 1 पर अतिक्रमण देख उन्होने नराजगी व्यक्त करते हुए उसे हटाने के निर्देश दिये और कहा कि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े । निरीक्षण के दौरान वहां उपस्थित कुलियों ने सांसद से भेंट करते हुए अपनी समस्याओं का ज्ञापन सौंपा। समीक्षा बैठक में अन्य विषयों पर चर्चा के साथ कुलियों के ज्ञापन पर चर्चा हुई। सांसद रमेश अवस्थी ने कहा कि कुलियों की समस्याओं का हर संभव समाधान किया जाये। उन्होने बताया कि शहर के सेंट्रल स्टेशन पर पुर्ननिर्माण का कार्य किया जा रहा है। समय सीमा पर कार्य के पूर्ण होने की आशा है साथ ही इस संबन्ध में समीक्षा बैठक की गयी तथा रेलवे अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये गये।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान

स्कूल चलो अभियान और वन महोत्सव का किया संयुक्त शुभारंभ

दो बच्चों का कराया नामांकन, पौधारोपण किया; जागरूकता रैली व फॉगिंग वाहनों को दिखाई हरी झंडी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जनपद में बुधवार से विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान, स्कूल चलो अभियान (द्वितीय चरण) तथा एक से सात जुलाई तक आयोजित होने वाले वन महोत्सव का संयुक्त शुभारंभ किया गया। गीता नगर पार्क (रामलीला मैदान), काकादेव में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने तीनों अभियानों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने स्कूल चलो अभियान के तहत दो बच्चों का कक्षा-1 में नामांकन कराया, वन महोत्सव के अंतर्गत ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान में पौधारोपण किया तथा जागरूकता रैली और फॉगिंग वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन, प्रभागीय वनाधिकारी आकांक्षा जैन, अपर निदेशक स्वास्थ्य डॉ. जी. के. मिश्रा, बेसिक शिक्षा अधिकारी हरिओम सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

हर बच्चे का विद्यालय में हो नामांकन

जिलाधिकारी ने कहा कि स्कूल चलो अभियान का उद्देश्य जनपद के प्रत्येक बच्चे को विद्यालय से जोड़ना है। इसी क्रम में काकादेव स्थित प्राथमिक विद्यालय में आकाश एवं अंशिका का कक्षा-1 में नामांकन कराया गया तथा उन्हें निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें वितरित की गईं। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रत्येक बच्चे का अधिकार है और कोई भी बच्चा विद्यालय से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने की अपील की। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन ने भी सभी विभागों से समन्वित प्रयासों के माध्यम से अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने शिक्षा, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं।

डेंगू-मलेरिया की रोकथाम को चलेगा विशेष अभियान

जिलाधिकारी ने बताया कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एक से 31 जुलाई तक तथा दस्तक अभियान 11 से 31 जुलाई तक संचालित किया जाएगा। वर्षा ऋतु में जलभराव के कारण डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, जापानी इंसेफेलाइटिस, एईएस एवं अन्य संचारी रोगों की आशंका बढ़ जाती है। इसे देखते हुए अभियान के दौरान घर-घर सर्वे, बुखार के रोगियों की पहचान, डेंगू एवं मलेरिया की जांच, मच्छरों के प्रजनन स्थलों का निस्तारण, एंटी लार्वा गतिविधियां, फॉगिंग तथा व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे।

उन्होंने नागरिकों से सप्ताह में एक दिन ÷सूखा दिवस÷ मनाने की अपील करते हुए कहा कि कूलर, पानी की टंकी, गमले, फ्रिज की ट्रे, पुराने टायर अथवा अन्य पात्रों में पानी जमा न होने दें। बुखार, सिरदर्द, बदन दर्द अथवा अन्य लक्षण होने पर स्वयं दवा लेने के बजाय तत्काल सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच कराएं। साथ ही स्वच्छ पेयजल का उपयोग करें, ताजा एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थों का सेवन करें तथा बरसात के मौसम में पूरे शरीर को ढकने वाले वस्त्र पहनकर मच्छरों से बचाव करें।

अपर निदेशक स्वास्थ्य डॉ. जी. के. मिश्रा ने कहा कि संचारी रोगों की रोकथाम में जनसहभागिता सबसे प्रभावी माध्यम है। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. अरुण कुमार सिंह ने बताया कि अभियान के दौरान सर्विलांस, वेक्टर नियंत्रण, स्वच्छता, सुरक्षित पेयजल, खाद्य सुरक्षा एवं जनजागरूकता पर विशेष फोकस रहेगा।

वन महोत्सव के तहत किया पौधारोपण

एक से सात जुलाई तक आयोजित वन महोत्सव के अंतर्गत जिलाधिकारी ने ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वृक्ष धरा का आभूषण हैं और उनके बिना जीवन अधूरा है। पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक को पौधे लगाने के साथ उनके संरक्षण का भी संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने भी पौधारोपण किया।

अपने संबोधन में जिलाधिकारी ने कहा कि संचारी रोगों की रोकथाम केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि

जनसहभागिता इसकी सबसे बड़ी शक्ति है। स्वच्छता, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण समाज के समग्र विकास का आधार हैं। उन्होंने जनपदवासियों से तीनों अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभाकर इन्हें जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। साथ ही राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर जनपद के सभी चिकित्सकों को शुभकामनाएं भी दीं।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों, छात्र-छात्राओं एवं नागरिकों को संचारी रोग नियंत्रण एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इसके बाद जिलाधिकारी ने स्कूल चलो अभियान एवं संचारी रोग नियंत्रण जागरूकता रैली तथा फॉगिंग वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के माध्यम से शत-प्रतिशत नामांकन, नियमित विद्यालय उपस्थिति, स्वच्छता, संचारी रोगों की रोकथाम तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया।

विधायक सुरेंद्र मैथानी ने हैलट अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। भाजपा विधायक सुरेंद्र मैथानी अचानक जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज से संबद्ध हैलट अस्पताल पहुंचे। यहाँ उन्होंने न केवल स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया, बल्कि अस्पताल की ओपीडी में खुद लाइन में लगकर वरिष्ठ व विशेषज्ञ नेत्र रोग सर्जन (आई सर्जन) डॉ. शालिनी मोहन से अपनी आँखों का रूटीन चेकअप भी कराया।

अस्पताल के स्टाफ और मरीजों से की सीधी बात

दौरे के दौरान विधायक सुरेंद्र मैथानी ने जमीनी हकीकत जानने के लिए हैलट अस्पताल में तैनात स्वीपरों (सफाई कर्मियों), सुरक्षा गार्डों, वार्ड बॉय, भर्ती मरीजों और उनके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने मरीजों से मिल रहे इलाज की गुणवत्ता, दवाओं की उपलब्धता और डॉक्टरों के व्यवहार के बारे में फीडबैक लिया। विधायक ने अस्पताल परिसर में सफाई व्यवस्था और सुरक्षा को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

500 से 5,000 पहुँची ओपीडी, यह है बदलता उत्तर प्रदेश

निरीक्षण के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए विधायक सुरेंद्र मैथानी ने कहा आज डबल इंजन सरकार के प्रयासों का नतीजा है कि आज 5,000 से ज्यादा मरीज यहाँ बेहतर इलाज के लिए आ रहे हैं। जनता का यह भरोसा ही हमारी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि है।÷

कानपुर को मिलने जा रही है बड़ी सौगात- 800 नए बेड का होगा निर्माण

विधायक ने बताया कि बहुत जल्द हैलट अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं का कायाकल्प होने जा रहा है। गंभीर रूप से घायलों और मरीजों के लिए ट्रॉमा सेंटर में 700 नए बेड का निर्माण कार्य जल्द प्रारंभ होने जा रहा है। क्रिटिकल केयर ब्लॉक आपातकालीन और अति-गंभीर स्थिति वाले मरीजों के लिए 100 बेड का अत्याधुनिक क्रिटिकल केयर ब्लॉक भी बनाया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, हमारा प्रयास हर एक मरीज को सर्वोत्तम इलाज देना है। पीएम मोदी और सीएम योगी और कानपुर के सांसद रमेश अवस्थी का आभार जताया तथा कानपुर को चिकित्सा का बड़ा हब बनाने और स्वास्थ्य सेवाओं को वैश्विक स्तर पर पहुँचाने के लिए शीर्ष नेतृत्व की सराहना की।उन्होंने कहा, कानपुर की स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति अत्यधिक समर्पण, संवेदनशीलता और करोड़ों रुपये के बजट की सौगात देने के लिए मैं पूरे कानपुर की जनता की तरफ से आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और पूज्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं उक्त विशेष प्रयास के लिए सांसद रमेश अवस्थी जी का हृदय से धन्यवाद करता हूँ। स्वास्थ्य सेवाओं में कैंसर के इलाज के लिए, चेस्ट हॉस्पिटल तथा कार्डियोलॉजी अस्पताल में एडवांस टेक्नोलॉजी के इंस्ट्रूमेंट एवं मेडिकल स्टाफ आदि की जो भी आवश्यकता होगी ,उसे माननीय सांसद जी के सहयोग से, माननीय मुख्यमंत्री जी से लाकर, कानपुर को देने का पूरा प्रयास करूंगा।इस दौरान अस्पताल प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, चिकित्साकर्मी और भारी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

पिता से कहासुनी के बाद फंदा लगाकर युवक ने की आत्महत्या

कानपुर। एक युवक ने पिता से हुई कहासुनी के बाद अपने को कमरे में बंद कर लिया और फांसी लगा ली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।जानकारी के अनुसार रातवपुर थाना क्षेत्र के धामीखेडा निवासी सर्वेश कुशवाहा ने बताया कि उनका 28 वर्षीय पुत्र अभय सब्जी का ठेला लगाता था। बताया कि मंगलवार की रात को भी वह नशे की हालत में घर आया, जिसके बाद किसी बात पर उसका अपने पुत्र अभय से विवाद हो गया, जिसके बाद वह कमरे में चला गया। काफी समय तक जब कमरे से कोई आवाज नही आई तो देखा गया कि उसने फांसी लगा ली।

माल गाड़ी के सामने कूदकर युवक ने दी जान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बुधवार को एक युवक ने माल गाड़ी के आगे कूद कर अपनी जान दे दी। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टामर्टम के लिए भेज, मृतक के शिनाख्त के प्रयास शुरू किये।जानकारी के अनुसार थाना सचेंडी क्षेत्र के न्यू भीमसेन स्टेशन व न्यू भाऊपुर स्टेशन के बीच किसान नगर के पास स्थित रेलवे ट्रेक पर एक युवक ने माल गाड़ी के आगे कूद कर अपनी जान दे दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं शव की शिनाख्त करने के प्रयास शुरू किए। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा चुका है तथा आस-पास के क्षेत्रों मे मृतक युवक के विषय में जानकारी की जा रही है। अभी शव की शिनाख्त नही हो पायी है।

बिठूर में महिला मित्र पर जानलेवा हमला, आरोपी गिरफ्तार

कानपुर। बिठूर थाना क्षेत्र में शनिवार शाम एक युवक ने अपनी महिला मित्र पर ईंट से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद राहगीरों ने आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। घायल महिला को उपचार के लिए रामा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।पुलिस के अनुसार स्वरूप नगर निवासी देवाशीष निगम अपनी महिला मित्र के साथ कार से बिठूर क्षेत्र की ओर गया था। रास्ते में दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि गुस्से में आकर युवक ने महिला के सिर पर ईंट से कई वार कर दिए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

सकुशाल सम्पन्न हुई शिक्षक पात्रता परीक्षा, शहर के 32 केंद्रो पर सम्पन्न हुई परीक्षा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहर में शिक्षक पात्रता परीक्षा तीन दिनों में सकुशल सम्पन्न कराई गयी। यह परीक्षा नगर के 32 केद्रों में कराई गयी। शनिवार को अंतिम दिन सभी केंद्रो पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

पुलिस के अधिकारी केंद्रो का भ्रमड़ कर नजर बनाये रखा। वहीं परीक्षा केंद्रो पर सुबह से ही अभ्यर्थियों की भीड जमा होने लगी। केंद्रो पर परीक्षार्थियों की कई स्तर पर जांच के उपरान्त उन्हे कक्षा में जाने दिया गया। परीक्षा पहली पाली में कराई गयी।

शिक्षक पात्रता परीक्षा का शनिवार को अंतिम दिन रहा। 2 जुलाई से शुरू हुई इस परीक्षा में व्यवस्थापक और जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहे। किसी प्रकार की कोई चूक न होने पाये इसके लिए पुलिस के आला अधिकारियों को साथ उडन दस्ते लगातार विभिन्न केंद्रो पर भ्रमण करते रहे। शनिवार को सुबह से ही परीक्षा केद्रो के बाहर परिक्षार्थियों की लंबी कतार लग गयी। रिपोर्टिंग समय के बाद कई स्तर की जांच के बाद ही परिक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया। इस पर पूरा ध्यान दिया गया कि परीक्षा कक्ष तक किसी प्रकार की नकल सामग्री न पहुंचे।पुरूषों को जूते-मोजे उतरवाकर चेकिंग की गयी तो महिला परिक्षार्थियों की चूडिया उतरवाई गयी तथा बालों की भी मेटल डिटेक्टर से जांच की गयी। परीक्षा के दौरान केंद्रो के अंदर और बाहर सीसीटीवी कैमरे से नजर रखी गयी।

प्रशासन ने स्पष्ट किया कि परीक्षा की निष्पक्षिता व पारदर्शिता से कोई समझौता नही किया जायेगा तथा नकल में पकडे जाने वाले के विरूद्ध कार्यवाई की जायेगी। परीक्षाओं को शांतिपूर्ण तथा नकलविहीन ढंग से सम्पन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह सजग दिखाई दिया।

जनता की परेशानी पर बिफरे विधायक मेट्रो अधिकारियों को लगाई कड़ी फटकार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। गोविंद नगर विधानसभा क्षेत्र में लगातार हो रही वर्षा के कारण उत्पन्न हुई जलभराव की समस्याओ को देखते हुए नगर आयुक्त एवं उनकी पूरी टीम के साथ जाकर निरीक्षण किया।

निरीक्षण में नगर आयुक्त से कहा कि स्थानीय व्यापारी और आम जनता बेहद त्रस्त है। जनता की इसी समस्या का त्वरित संज्ञान लेते हुए क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र मैथानी ने नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय के साथ प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण भी किया। मौके से ही विधायक ने कानपुर कमिश्नर पांडयन से नगर आयुक्त की मौजूदगी में बात की। और नगर आयुक्त से कहा कि आपके विभाग के भी जो लापरवाह लोग हैं उन पर कड़ा एक्शन लीजिए। अन्यथा हम लोग मजबूर होंगे और हमारा तरीका थोड़ा अच्छा नहीं होगा। जिससे आपके विभाग को कठिनाई होगी। इसलिए समय रहते इस पर आवश्यक कठोर कार्रवाई करिए। जिससे कानपुर जल भराव से मुक्ति पा सके।निरीक्षण के दौरान जब विधायक और नगर आयुक्त देवकी सिनेमा परिसर पहुंचे, तो वहां की स्थिति अत्यंत दयनीय पाई गई। क्षेत्र का मुख्य नाला पूरी तरह से टूटा हुआ था, जिसके कारण नाले का गंदा पानी बैक मारकर सीधे लोगों के घरों और दुकानों में घुस रहा है। इस वजह से क्षेत्र में लगातार जलभराव की गंभीर समस्या बनी हुई है। इस पर तुरंत नाराजगी व्यक्त करते हुए, मेट्रो के अधिकारियों को मौके पर ही बुलाया।

स्थानीय जनता और व्यापारियों का दर्द देखकर विधायक सुरेंद्र मैथानी का पारा चढ़ गया। उन्होंने तत्काल मौके पर ही मेट्रो के वरिष्ठ अधिकारी क्रू मीणा एवं उनकी निर्माणाधीन टीम के लापरवाही पर ज़ोरदार फटकार लगाई।÷मेट्रो के कारण जल भराव की स्थिति को बर्दाश्त नहीं करेंगे और जो भी मेट्रो के निर्माण के लिए कवर किए गए, टीन-टप्पड़ यहां हैं, उन्हें उखड़वाकर फिंकवा दूंगा काम बंद करवा दूंगा। अगर जनता को राहत नहीं मिली, तो आपके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराकर मेट्रो का काम तब तक नहीं होने दूंगा, जब तक मेट्रो के कारण से जल भराव की स्थिति पर नियंत्रण न पाया जा सके । लेकिन मेरी जनता को किसी भी तरह की कठिनाई का सामना करना पड़े, यह मैं कतई बर्दाश्त नहीं करूंगा।÷मेट्रो के अधिकारी मीणा के द्वारा व्यवस्थाओं को व्यवस्थित करने के लिए मांगे गए 7 दिन के समय पर विधायक ने कहा कि मैं आपको 7 दिन का अल्टीमेटम देता हूं और 'पर डे, यानी रोज' मॉनिटरिंग, मेरे पार्षद नीरज बाजपेई करेंगे। और कहा कि मैं स्वयं भी रोज इसकी मॉनिटरिंग लूंगा। जिससे 7 दिन बाद स्थिति खराब हुई तो उस पर कार्रवाई उससे पूर्व ही की जा सके।मेट्रो के अधिकारियों द्वारा जलभराव और नाले एवं सीवर लाइन चौक को ठीक करने के लिए, तथा जल भराव रोकने के लिए, उसकी मरम्मत की समस्या को ठीक करने के लिए 7 दिन का समय मांगा गया है। इस पर विधायक ने उन्हें 7 दिन की अंतिम हिदायत (अल्टीमेटम) दिया है।काम में किसी भी तरह की ढिलाई न हो, इसके लिए विधायक सुरेंद्र मैथानी ने स्थानीय पार्षद नीरज बाजपेई को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने पार्षद नीरज वाजपेई, जो लगातार देवकी टाकीज चौराहे के सीवर चौक, मेट्रो के लापरवाही के कारण से हुई थी, उसमें जनता की परेशानी में अति सक्रिय है, उनको कहा कि वे इस पूरे कार्य की खुद रोज शाम को मॉनिटरिंग (निगरानी) करेंगे और प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट सीधे मुझे भी देंगे। ताकि मेट्रो और नगर निगम के अधिकारियों की हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा सके।विधायक ने साफ किया कि मेट्रो द्वारा विकास कार्यों के नाम पर, जनता का उत्पीड़न और जल भराव जैसी स्थिति को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। मजबूरी में, जनहित में, मेट्रो का टीन-टप्पड़ उखाड़कर फिंकवा दिया जाएगा और मेट्रो का काम रुकवा दिया जाएगा। पहले सीवर चौक को ठीक करें, तब आगे मेट्रो का काम करें। हम मेट्रो कार्य में बाधक नहीं हैं, लेकिन हम, जनता को उसके हाल पर नहीं छोड़ सकते। इसके लिए किसी भी सीमा तक जाना पड़े तो मैं जाऊंगा। और माननीय मुख्यमंत्री के संज्ञान में देकर आवश्यकता अनुसार एफआईआर भी दर्ज करा दूंगा।उक्त निरीक्षण में विधायक के साथ नगर आयुक्त एवं नगर निगम के चीफ फरीद अख्तर जैदी एवं जोन 6 के अधिशासी अभियंता आरके सिंह, अवर अभियंता बालेंद्र प्रताप सिंह एवं आदि टेक्निकल टीम और मेट्रो के कानपुर के प्रोजेक्ट मैनेजर क्रूअरविंद मीणा एवं जल संस्थान के तरू आनंद त्रिपाठी तथा एक्स.सुशील कुमार सिंह आदि के साथ पार्षद नीरज रक्सेल एवं पार्षद नीरज बाजपेई, हृदेश पाल (राजा) धीरज रक्सेल, दिलीप सिंह पूर्व अध्यक्ष कुलवंत सिंह भाटिया, त्रिलोचन सिंह, चरणपाल, नितिन सचदेवा, रिकी भाटिया, मोनू खंडूजा, हर्ष, पवन एवं गड़रियनपुरवा मोटर मार्केट के पदाधिकारी, दुकानदार, व्यापारी तथा जल भराव से पीड़ित आम जनता आदि उपस्थित थे।

गोविंद नगर विधायक पहुंचे जेल की कार्यकर्ता से मुलाकात

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। गोविंद नगर विधानसभा क्षेत्र से विधायक सुरेंद्र मैथानी जिला कारागार पहुँचकर वहाँ बंद अपनी विधानसभा के एक सक्रिय कार्यकर्ता से मुलाकात की।उक्त कार्यकर्ता अपनी कुछ व्यक्तिगत एवं पारिवारिक समस्याओं के चलते इस समय न्यायिक हिरासत में है। जैसे ही इसकी सूचना मिली, उन्होंने बिना देर किए जेल जाकर उससे मुलाकात करने का निर्णय लिया। मुलाकात के दौरान विधायक ने कार्यकर्ता और उसके परिवार की चिंताओं को साझा किया। उन्होंने जेल प्रशासन से नियमानुसार उसके स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी व्यवस्थाओं की जानकारी भी ली।विधायक ने कहा कि संगठन का एक-एक कार्यकर्ता मेरा अपना परिवार है। राजनीति से परे, हमारे बीच एक आत्मीय और पारिवारिक रिश्ता है। जब भी मेरा कोई कार्यकर्ता या क्षेत्र की जनता किसी संकट में होगी, मैं एक अभिभावक के रूप में हमेशा उनके साथ खड़ा रहूँगा। उसकी पारिवारिक समस्याओं का उचित व कानूनी समाधान निकालने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा।÷

इस दौरान विधायक ने कार्यकर्ता के परिजनों को भी आश्वस्त किया कि इस मुश्किल वक्त में वे खुद को अकेला न समझें, पूरा विधायक परिवार उनके साथ मजबूती से खड़ा है।

सीवरेज पंपिंग स्टेशनों का तेजी से हो रहा निमार्ण कार्य

गंगा में नालों के दूषित जल को गिरने से रोकने के लिए बनाये जा रहे सीवरेज पंपिग स्टेशन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। निर्मल गंगा और स्वच्छ जल पर सरकारों द्वारा कार्य कराये जाते रहे है। गंगा में दूषित जल न गिरे इसके लिए सरकार द्वारा कई योजनाये भी बनाई गयी। इसी चरण में गंगा तथा पांडु नदी में गिरने वाले दूषित जल को रोकने और शोधित करने के लिए जल निगम द्वारा सीवरेज पंपिग स्टेशनों का निर्माण कराया जा रहा है।

गंगा तथा पांडु नदी में गिरने वाले लगभग पांच करोड़ लीटर दूषित जल को रोकने तथा उसका शोधन करने के लिए जल निगम द्वारा नालों को रोकने के लिए घाटों पर सीवरेज पंपिंग स्टेशन का निमार्ण कराया जा रहा है। यह निर्माण 138,11 करोड़ रूपये से कराया जा रहा है, जिसके पूर्ण होने के बाद गंगा में दूषित पानी नही गिरेगा।बताया गया कि बनने वाले इन सीवरेज पंपिंग स्टेशनों से दूषित पानी वाजिदपुर जाजमऊ तथा बिनगवां सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट में भेजा जायेगा। इसके साथ ही रानी घाट में भी सीवरेज पंपिंग स्टेशन का निर्माण कराया जा रहा है। बताया गया कि जुलाई 2027 तक इन कार्यो को पूरा करा लिया जायेगा।

तलाक-ए-हसन पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, फैमिली कोर्ट नहीं कर सकता इनकार

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत दिए जाने वाले तलाक-ए-हसन को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने कहा कि यदि तलाक की वैधता को लेकर पति-पत्नी के बीच कोई विवाद नहीं है और परिवार न्यायालय प्रथमदृष्टया यह संतुष्ट है कि तलाक मुस्लिम पर्सनल लॉ के अनुसार हुआ है, तो वह वैवाहिक स्थिति को तलाकशुदा घोषित करने से इनकार नहीं कर सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में फैमिली कोर्ट की भूमिका केवल वैवाहिक स्थिति का सार्वजनिक रिकॉर्ड तैयार करने तक सीमित है।न्यायमूर्ति आलोक माथुर और न्यायमूर्ति सैयद कमर हसन रिजवी की खंडपीठ ने यह फैसला एक मुस्लिम पति की अपील स्वीकार करते हुए दिया। इसके साथ ही लखनऊ परिवार न्यायालय का वह आदेश रद्द कर दिया गया, जिसमें यह कहते हुए वाद खारिज कर दिया गया था कि तलाक को किसी पक्ष ने चुनौती नहीं दी है और घोषणा की आवश्यकता स्पष्ट नहीं है। अदालत ने पाया कि पति ने मुस्लिम पर्सनल लॉ के अनुसार एक-एक माह के अंतराल पर तीन नोटिस देकर तलाक-ए-हसन की प्रक्रिया पूरी की थी और पत्नी ने भी लिखित बयान व शपथपत्र में तलाक स्वीकार किया था।इसी दौरान हाईकोर्ट ने निकाह हलाला और बहुविवाह की आड़ में महिला के कथित यौन शोषण से जुड़े मामले में भी सख्त रुख अपनाते हुए आरोपियों को राहत देने से इनकार कर दिया।

अब बद्रीनाथ मंदिर में चढ़ावे में हेराफेरी के आरोपों से मचा हड़कंप, बीकेटीसी ने जांच के दिए आदेश

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। काल भैरव सेना अध्यक्ष ने कर्मचारी पर चंदा चोरी का आरोप लगायाफुटेज सार्वजनिक करने की मांग; मंदिर समिति बोली- दोषी मिला तो होगी सख्त कार्रवाईअयोध्या में श्री राम मंदिर में चंदा चोरी के आरोपों के बाद अब विश्व प्रसिद्ध श्री बद्रीनाथ धाम में श्रद्धालुओं के चढ़ावे और दान में कथित हेराफेरी के आरोपों को लेकर विवाद खड़ा हो गया है।

काल भैरव सेना के अध्यक्ष संजीव खत्री ने आरोप लगाया है कि बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष के निजी सहायक के रूप में कार्यरत एक कर्मचारी ने मंदिर में आए चढ़ावे में हेराफेरी की है।

उन्होंने दावा किया कि कथित घटना सुबह करीब 8 से 8-30 बजे के बीच हुई और उस समय की सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक की जानी चाहिए। उनका यह दावा सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

इन आरोपों के बाद श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने जांच के आदेश दिए हैं। समिति अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि पूरे मामले की जांच के लिए आंतरिक जांच समिति गठित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यदि जांच में कोई भी कर्मचारी दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हेमंत द्विवेदी ने इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहे दावों का खंडन करते हुए कहा कि जिस कर्मचारी को उनका निजी सचिव बताया जा रहा है, वह उनका निजी सचिव नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संबंधित व्यक्ति मंदिर समिति का नियमित सरकारी कर्मचारी है और पहले भी समिति के तीन अध्यक्षों के साथ वैयक्तिक सहायक के रूप में कार्य कर चुका है।

वहीं, बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी (ष्टश्वह्) सोहन सिंह रांगड़ ने बताया कि वायरल आरोपों के बाद मंदिर परिसर के सीसीटीवी फुटेज की जांच कराई गई। हालांकि उपलब्ध फुटेज में अपेक्षित स्पष्टता नहीं मिल सकी। मामले की पूरी जानकारी समिति अध्यक्ष को दे दी गई है और उनके निर्देश पर संबंधित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है।

उन्होंने बताया कि विस्तृत जांच के लिए गठित की जा रही आंतरिक जांच समिति उपलब्ध साक्ष्यों, तथ्यों और संबंधित पक्षों के बयानों के आधार पर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

मंदिर समिति ने यह भी अपील की है कि जांच पूरी होने से पहले किसी भी अपुष्ट या भ्रामक जानकारी को फैलाने से बचा जाए। समिति का कहना है कि यह मामला करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े विश्वविख्यात श्री बदरीनाथ धाम से संबंधित है, इसलिए तथ्यों के सामने आने से पहले किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा।

राम मंदिर चढ़ावा कांड के बाद बदला मंदिर कर्मियों का ड्रेस सिस्टम

» बीपीएस न्यूज

अयोध्या। रामलला के चढ़ावे में कथित सेंधमारी ने आखिरकार श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को अपनी पूरी व्यवस्था बदलने पर मजबूर कर दिया। जिस व्यवस्था को अब तक अभेद्य बताया जाता था, उसी में हुई चोरी के बाद अब हर कर्मचारी शक के दायरे में है। जेब वाली यूनिफॉर्म इतिहास बन चुकी है और उसकी जगह %पॉकेटलेस सिस्टम% ने ले ली है। अब गिनती करने वाले कर्मचारी गहरे नीले की ड्रेस पहनेंगे जिसमें जेब नहीं होगी, हर बार तलाशी होगी और हर गतिविधि कैमरों की निगरानी में कैद रहेगी। मुख्य मंदिर से लगभग 200 मीटर दूर बने पीएफसी भवन के बेसमेंट में प्रतिदिन करीब 35 दानपेटियों का चढ़ावा दो शिफ्टों में गिना जाता है। पहले जहां यह प्रक्रिया सामान्य सुरक्षा के बीच होती थी, अब उसे लगभग हाई-सिक्योरिटी ऑपरेशन का रूप दे दिया गया है। ड्यूटी पर आने से पहले तलाशी, यूनिफॉर्म पहनने के बाद दोबारा तलाशी, वॉशरूम से लौटने पर फिर तलाशी और हर कोने पर सीसीटीवी कैमरों की पैनी नजर अब यही नई व्यवस्था होगी। चढत्रावा काउंटिंग अब मेज पर नहीं जमीन पर बैठकर होगी।

टीएमसी में बगावत के बीच ममता बनर्जी ने खुद संभाली अध्यक्ष की कमान

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल टीएमसी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने शनिवार को पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। यह इस्तीफा पश्चिम बंगाल की राजनीति में मचे भारी हंगामे के बीच आया है; कोलकाता में टीएमसी के राज्य पार्टी कार्यालय के मालिक ने परिसर को अंदर से बंद कर दिया था, क्योंकि ऐसी खबरें आई थीं कि विपक्ष के नेता रिताब्रता बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट ने इमारत पर कब्जा कर लिया है।तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को घोषणा की कि वह पार्टी की राज्य इकाई की अध्यक्ष की भूमिका भी संभालेंगी और मदन मित्रा तथा कुणाल घोष को राज्य समिति में महासचिव के तौर पर शामिल किया। बनर्जी ने एक वीडियो संदेश में कहा टीएमसी चेयरपर्सन के तौर पर, मैं घोषणा करती हूं कि आज से मैं पश्चिम बंगाल राज्य टीएमसी अध्यक्ष की भूमिका भी संभालूंगी। पार्टी समिति में दो और

लोगों--मदन मित्रा और कुणाल घोष--को शामिल किया गया है। दोनों को इस समिति का महासचिव नियुक्त किया गया है। यह घटनाक्रम पार्टी के भीतर चल रही अंदरूनी संगठनात्मक कलह और रिताब्रता बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट द्वारा पार्टी मुख्यालय पर कब्जा करने के बाद सामने आया है। ममता बनर्जी को लिखे अपने इस्तीफ़े के पत्र में, भट्टाचार्य ने कहा कि वह जून 2026 में उन्हें मिले राज्य अध्यक्ष के पद से हट रही हैं। उन्होंने पार्टी के बैंक खातों के लिए अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता और भारत के चुनाव आयोग के सामने दीदी के अधिकृत व्यक्ति के तौर पर भी अपना नाम वापस ले लिया।उन्होंने 30 सदस्यों वाली राष्ट्रीय कार्य समिति का भी गठन किया और साथ ही दोहराया कि वह चाहते हैं कि ममता बनर्जी टीएमसी में एक मार्गदर्शक (मेंटर) की भूमिका निभाएं। उन्होंने बताया कि 30 सदस्यों वाली समिति में फरहाद हकीम, अरूप बिस्वास, रथिन घोष, सबीना यास्मीन, जावेद खान, संदीपन साहा और अन्य शामिल हैं, जबकि फरहाद हकीम, अरूप बिस्वास, रथिन घोष और सबीना यास्मीन को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। रिताब्रता बनर्जी ने फिर से कहा कि ममता बनर्जी को एक मार्गदर्शक के तौर पर संगठन से जुड़े रहना चाहिए। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि दीदी एक मार्गदर्शक की ज़िम्मेदारी संभालें और हमारा मार्गदर्शन करें। इस गुट का दावा है कि उसे पार्टी के 80 में से कम से कम 58 विधायकों का समर्थन हासिल है। इसने 30 सदस्यों वाली राष्ट्रीय कार्य समिति का भी गठन किया है और कहा है कि ममता बनर्जी को पार्टी के भीतर मार्गदर्शक की भूमिका निभाते रहना चाहिए।

16 साल बाद भी नहीं सुलझा नामधारी नेता अवतार सिंह तारी हत्याकांड सीबीआई ने जारी किया आरोपी का स्केच; 2 लाख रुपये का इनाम घोषित

» बीपीएस न्यूज

चंडीगढ़ ।लगभग 16 वर्ष पहले हुए नामधारी संप्रदाय के वरिष्ठ नेता अवतार सिंह तारी हत्याकांड में केंद्रीय जांच ब्यूरो ने बड़ा कदम उठाया है। मामले की जांच कर रही सीबीआई की स्पेशल क्राइम ब्रांच चंडीगढ़ ने हत्या के आरोपी का स्केच जारी करते हुए उसकी गिरफ्तारी और मामले को सुलझाने में मदद करने वाली विश्वसनीय सूचना पर 2 लाख रुपये का इनाम घोषित किया है।आम जनता से अपील की है कि यदि किसी के पास अवतार सिंह तारी की हत्या या आरोपियों से जुड़ी कोई भी विश्वसनीय जानकारी है तो वह जांच अधिकारियों से संपर्क करे। एजेंसी ने भरोसा दिलाया है कि सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय

रखी जाएगी।अवतार सिंह तारी, नामधारी संप्रदाय के वरिष्ठ अनुयायी और प्रभावशाली नेता थे। 12 अप्रैल 2011 को लुधियाना-चंडीगढ़ मुख्य मार्ग पर कटानी कलां के पास बाइक सवार दो अज्ञात हमलावरों ने उन पर-47 राइफल से ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दी थीं। हमलावरों ने करीब 11 राउंड फायर किए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना के समय 57 वर्षीय अवतार सिंह मोहाली से भैणी साहिब जा रहे थे। रास्ते में उन्हें शक हुआ कि कुछ लोग उनका पीछा कर रहे हैं। उन्होंने कटानी कलां में एक रिश्तेदार की दुकान पर अपनी कार रोकी, लेकिन जैसे ही बाहर निकले, दो हमलावरों ने उन पर हमला कर दिया और फरार हो गए।जांच में सामने आया था कि अवतार सिंह पर इससे पहले भी कम से कम दो बार जानलेवा हमले हो चुके थे। उन मामलों में मोहाली में केस भी दर्ज किए गए थे। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने हत्या को नामधारी संप्रदाय में उत्तराधिकार को लेकर चल रहे विवाद से जोड़कर देखा था।तत्कालीन पुलिस ने ठाकुर दलिप सिंह और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया था। हालांकि छह वर्षों तक जांच के बाद भी मामला नहीं सुलझा, जिसके बाद 1 जनवरी 2017 को इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी गई।

शिक्षकों के लिए डबल खुशखबरी, कैशलेस के साथ 10 लाख शिक्षक-कार्मिकों को मिलेगा ग्रुप लाइफ इंश्योरेंस कवर

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा विभाग अपने शिक्षकों, शिक्षामित्र, अनुदेशक, रसोइयां, शासकीय व अनुबंधित कार्मिक सभी को सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा देने के लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के साथ एमओयू करेगा। इससे विभाग के लगभग 4.50 लाख स्थायी तथा 5.50 लाख संविदा कार्मिक एसबीआई के विशेष सैलरी पैकेज में बीमा सुरक्षा से जुड़ेंगे।

यह एमओयू मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में आठ जुलाई को वाराणसी में होने वाले कैशलेस चिकित्सा सुविधा व डीबीटी वितरण कार्यक्रम में होगा। प्रस्ताव के अनुसार

जिन स्थायी कार्मिकों का वेतन 10 हजार रुपये से अधिक है, उन्हें 10 लाख रुपये का ग्रुप टर्म लाइफ इंश्योरेंस कवर दिया जाएगा।

इसके साथ ही एक करोड़ रुपये का पर्सनल एक्सीडेंट इंश्योरेंस कवर, एक करोड़ रुपये का स्थायी दिव्यांगता बीमा कवर और 1.60 करोड़ रुपये तक का एयर एक्सीडेंट इंश्योरेंस कवर मिलेगा। साथ ही अनहोनी की स्थिति में कार्मिकों के बच्चों की शिक्षा और बेटियों के विवाह के लिए भी एड ऑन कवर उपलब्ध कराया जाएगा। इससे शिक्षकों-कर्मचारियों के परिवार को भी आर्थिक सुरक्षा मिलेगी।एमओयू के तहत 10 हजार रुपये से अधिक कुल मासिक वेतन पाने वाले संविदा कार्मिकों को 30 लाख रुपये तक का पर्सनल एक्सीडेंट इंश्योरेंस कवर मिलेगा। स्थायी विकलांगता की स्थिति में 30 लाख तथा आंशिक विकलांगता में 15 लाख का इंश्योरेंस कवर दिया जाएगा। इसके अलावा एयर एक्सीडेंट की स्थिति में 30 लाख का इंश्योरेंस कवर भी मिलेगा। किसी अनहोनी होने पर कार्मिकों के बच्चों की पढ़ाई व बेटियों के विवाह के लिए भी एड-ऑन कवर भी दिया जाएगा। वहीं 10 हजार से कम नेट मासिक वेतन पाने वाले कार्मिकों को जीरो बैलेंस खाते व रुपे डेबिट कार्ड के आधार पर 1 लाख का इंश्योरेंस कवर दिया जाएगा।एमओयू लागू होने के बाद जिन कार्मिकों के वेतन खाते पहले से भारतीय स्टेट बैंक में हैं, उन्हें एसबीआई के सैलरी पैकेज में बदला जाएगा। जिन कार्मिकों के वेतन खाते भारतीय स्टेट बैंक में नहीं हैं, उन्हें एसबीआई में वेतन खाता खोलने के लिए प्रेरित किया जाएगा, ताकि वे भी एमओयू के अंतर्गत उपलब्ध सभी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने सीएम की उपस्थिति में होने वाले एमओयू के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए हैं।

राम मंदिर : किस दिशा में जा रही चढ़ावा चोरी की जांच

जब मामाल नहीं दबा और लगा कि डैमेज ज्यादा हो जाएगा, तब कवरअप करने की एक्सरसाइज शुरू हुई, काफी समय बाद इस मामले में आरएसएस का बयान सामने आया है

» बीपीएस न्यूज

अयोध्या। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला इस हफ्ते भी सुर्खियों में रहा। पूरे हफ्ते नए-नए बयान सामने आए। लंबे समय से चुप्पी साधे आरएसएस की ओर से भी इसे लेकर प्रतिक्रिया आई। दूसरी तरफ इस पूरे मामले में नए-नए खुलासे भी होते रहे। इस हफ्ते खबरों के खिलाड़ी में इसी पर चर्चा हुई। चर्चा के लिए वरिष्ठ पत्रकार रामकृपाल सिंह, विनोद अग्निहोत्री, पूर्णिमा त्रिपाठी, राकेश शुक्ल और मिहिर रंजन मौजूद रहे।

पूर्णिमा त्रिपाठी- इस मामले को शुरू में दबाने की कोशिश की गई है। जब मामला ज्यादा बढ़ गया तब इस पर कार्रवाई शुरू हुई। जब मामाल नहीं दबा और लगा कि डैमेज ज्यादा हो जाएगा, तब कवरअप करने की एक्सरसाइज शुरू हुई। काफी समय बाद इस मामले में आरएसएस का बयान सामने आया है। जिसमें कहा गया है कि किसी को भी बक्शा नहीं जाएगा। अगर ऐसा होता है तो डैमेज कंट्रोल हो जाएगा।

राकेश शुक्ल- इस मामले में जितना आप आगे बढ़ते जाएंगे सस्पेंश बढ़ता जाएगा। अब जो आरएसएस का बयान सामने आया उससे साफ है कि जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। क्योंकि ये करोड़ों हिंदुओं की आस्था का सवाल है। मूल प्रश्न ये है कि जो वित्तीय गड़बड़ी हुई है उसके लिए सिर्फ चंपत राय दोषी हैं। जो बाकी सदस्य हैं क्या उनकी जवाबदेही नहीं बनती है।

रामकृपाल सिंह-मंदिर में चढ़ावा आता है तो उसको भी आपको बताना पड़ता है कि ये आया है। उसके लिए नियम है। चंपत राय जी की जहां तक बात है तो 15-18 हजार पाने वाले को कैसे इतने बड़े फाइनेंस की जिम्मेदारी दी गई।

आप उसके घर गए तो देखा कि 60 कमरों का हॉस्टल और बाकी चीजें हैं उसके पास ये कैसे हो गया क्या आपको ये समझ नहीं आया। ये मैं मान ही नहीं सकता कि उस आदमी ने अकेले इतना सबकुछ किया। ये मेरे गले से उतर नहीं रहा है कि चंपत राय को पता नहीं था।

विनोद अग्निहोत्री- सीबीआई जांच हो या सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच हो। कुल मिलाकर उत्तर प्रदेश की सरकार ने जो कथित एसआईटी बनाई है, जो एक इंक्वायरी कमेटी है। इसलिए केंद्रीय जांच एजेंसियों से जांच की मांग हो रही है। मुझे लगता है कि उच्च स्तरीय जांच अगर नहीं होगी और यही चलता रहा तो लोगों में इसका विश्वास नहीं जमेगा। ये विश्वास तभी लौटेगा जब उच्च स्तरीय जांच हो और दूध का दूध और पानी का पानी हो। मामले को जितना रफा दफा करने की कोशिश होगी उतना नुकसान होगा।

सीआरपीएफ जवान नफीसउद्दीन का राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार

बांदा में सड़क हादसे में जान गंवाने वाले को दी गई अंतिम विदाई

» बीपीएस न्यूज

हमीरपुर। मौदहा में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के हवलदार जीडी नफ़ीस उद्दीन (42) का शुक्रवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। बांदा क्षेत्र में एक सड़क हादसे में उनकी जान चली गई थी। सेना के जवानों ने उनके पार्थिव शरीर पर तिरंगा ओढ़ाकर सलामी दी।मोहल्ला उपरौस निवासी नफ़ीस उद्दीन अमेठी जिले में सीआरपीएफ में हवलदार जीडी के पद पर तैनात थे। मोहर्रम की छुट्टियां बिताने के बाद गुरुवार को वह अपनी बुलेट मोटरसाइकिल से ड्यूटी पर लौट रहे थे। बांदा क्षेत्र के पास

उनकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई।शुक्रवार को सेना के जवान उनके पार्थिव शरीर को मौदहा लेकर पहुंचे। यहां पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। अंतिम यात्रा में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिसकर्मी, सेना के जवान, सामाजिक संगठनों के सदस्य और बड़ी संख्या में नगरवासी शामिल हुए। सैन्य सम्मान के बीच उन्हें अंतिम सलामी दी गई।नफ़ीस उद्दीन अपने पीछे पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा छोड़ गए हैं। परिवार के सदस्य इस घटना से सदमे में हैं। नफ़ीस उद्दीन मूल रूप से भमौरा गांव के निवासी थे, लेकिन बचपन से ही अपनी ननिहाल मोहल्ला उपरौस, मौदहा में पले-बढ़े थे। बाद में उन्होंने उपरौस में ही अपना मकान बनवाकर स्थायी रूप से निवास करना शुरू कर दिया था।अपने मिलनसार स्वभाव और कर्तव्यनिष्ठा के कारण वह क्षेत्र में काफी लोकप्रिय थे। उनके असामयिक निधन से पूरे क्षेत्र में दुख का माहौल है। लोगों ने उन्हें एक अनुशासित, ईमानदार और देशसेवा के प्रति समर्पित जवान बताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

दिग्विजय सिंह का ऐलान, शिवराज से ज्यादा चंदा दिया था, वापस लेने कोर्ट जाऊंगा, थाने पर भरोसा नहीं

» बीपीएस न्यूज

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह एक बार फिर सुर्खियों में हैं। भोपाल में महिला कांग्रेस के प्रदर्शन में पहुंचे दिग्विजय सिंह ने ब्ब्ह्वक्क और ऋस्स् पर तीखे तेवर दिखाते हुए एक ऐसा ऐलान कर दिया, जिसने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। राजनीति

उन्होंने बताया कि वे राम मंदिर निर्माण के दौरान हुई कथित चंदा वसूली में गड़बड़ी और उज्जैन में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर उज्जैन से अयोध्या तक पदयात्रा निकालेंगे। उनके मुताबिक यह यात्रा 2 अक्टूबर से शुरू होगी और इसका कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं होगा।

सभा में बोलते हुए दिग्विजय सिंह ने खुलासा किया कि उन्होंने राम मंदिर निर्माण के लिए 1 लाख 11 हजार रुपये का योगदान दिया था। अब वे चाहते हैं कि यह राशि उन्हें वापस मिले, ताकि वे इसे दोबारा ट्रस्ट में जमा करा सकें। उनका आरोप है कि उनके द्वारा दिया गया चंदा गबन का शिकार हुआ है।

इस मामले को लेकर वे सीधे पुलिस के पास जाने के बजाय अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे

दिग्विजय सिंह ने पुरानी घटना का जिक्र करते हुए बताया कि जब मंदिर निर्माण के लिए चंदा अभियान शुरू हुआ था, तब मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक लाख रुपये का दान दिया था। इससे प्रेरित होकर उन्होंने खुद से एक हजार रुपये ज्यादा यानी 1 लाख 11 हजार रुपये देने का फैसला किया।

उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया था कि दान की रकम सही तरीके से ट्रस्ट के खाते में पहुंचे। उनके अनुसार यह दान भगवान राम के प्रति उनकी आस्था और भव्य मंदिर बनते देखने की इच्छा से प्रेरित था।

अपने भाषण में दिग्विजय सिंह ने ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि इमरजेंसी में चंपत राय नागपुर भाग गए थे, जहां वे ऋस्स् प्रचारक बने। इसके बाद विश्व हिंदू परिषद में शामिल होकर अशोक सिंघल के करीबी बन गए और वहीं से चंदा संग्रह का काम संभालने लगे।

दिग्विजय सिंह के अनुसार, अयोध्या मामले में फैसला आने के बाद जब ट्रस्ट गठित हुआ, तो पूरी कमान चंपत राय को सौंप दी गई, जबकि ट्रस्टियों की सूची में कोई साधु-संत या शंकराचार्य शामिल नहीं किए गए।

दिग्विजय सिंह ने सबसे गंभीर आरोप ट्रस्ट के वित्तीय प्रबंधन को लेकर लगाया। उनका कहना था कि चंपत राय ने महज दस से पंद्रह हजार रुपये मासिक वेतन पर कर्मचारी रखे, लेकिन इसके बावजूद रोज आने वाले चंदे का बड़ा हिस्सा, करीब 10 से 20 प्रतिशत, नकदी के रूप में रहस्यमय ढंग से गायब हो जाता था। उन्होंने दावा किया कि इस गड़बड़ी में बैंक अधिकारी और ट्रस्ट के कर्मचारी भी शामिल रहे। कांग्रेस नेता ने इसे आम जनता की आस्था के साथ बड़ा धोखा करार दिया।

बरसात के मौसम में इन सब्जियों से बनायें दूरी वरना फूड पॉइजनिंग के हो सकते हैं शिकार

बारिश का मौसम जितना राहत देता है, उतनी ही बीमारियां भी अपने साथ लाता है। आयुर्वेद और मॉडर्न मेडिकल साइंस, दोनों ही मानसून में खान-पान को लेकर विशेष सावधानी बरतने की सलाह देते हैं। इस मौसम में हवा में नमी बढ़ जाती है, जो बैक्टीरिया, फंगस और कीड़ों के पनपने के लिए सबसे अनुकूल माहौल है। ऐसे में कुछ ऐसी सब्जियां हैं, जिन्हें बारिश के दिनों में अपनी थाली से पूरी तरह दूर रखना चाहिए, क्योंकि इन्हें खाने से आप तुरंत फूड पॉइजनिंग, डायरिया या पेट के गंभीर इन्फेक्शन का शिकार हो सकते हैं। आइए जानते हैं। मौसम

» हरी पत्तेदार सब्जियां

आमतौर पर सेहत के लिए वरदान मानी जाने वाली हरी पत्तेदार सब्जियां मानसून में सबसे बड़ी दुश्मन बन सकती हैं। पत्तागोभी, पालक और ब्रोकली जैसी सब्जियों की परतों के बीच छोटे-छोटे कीड़े और उनके अंडे छिपे होते हैं, जो सामान्य रूप से धोने पर भी नहीं निकलते। इसके अलावा, बारिश के पानी और मिट्टी के संपर्क में रहने के कारण इनमें बैक्टीरिया का लोड बहुत ज्यादा होता है।

» फूलगोभी न खाएं

फूलगोभी की बनावट ऐसी होती है कि इसमें नमी आसानी से रुक जाती है। यह नमी कीड़ों और फंगस को आकर्षित करती है। बारिश के दिनों में गोभी के अंदर छोटे-छोटे कीड़े (जिन्हें देखना भी मुश्किल होता है) घर बना लेते हैं, जो पेट में जाकर गंभीर इन्फेक्शन पैदा कर सकते हैं।

मशरूम न खाएं

मशरुम सीधे तौर पर मिट्टी और नमी वाले वातावरण में उगते हैं। मानसून के दौरान इनमें बैक्टीरिया और फंगस के पनपने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। अगर मशरूम ठीक से साफ न हो या थोड़ा भी बासी हो, तो यह सीधा आपको अस्पताल पहुंचा सकता है। इसलिए इसे बारिश में खाने से बचें।

सब्जियों को बनाने से पहले करें ये काम

अगर कोई सब्जी बनानी भी है, तो उसे पकाने से पहले गुनगुने नमक वाले पानी या सिरके के पानी से अच्छी तरह धोएं।

बरसात के मौसम में डेंगू-मलेरिया का कहर

बरसात का मौसम काफी सुहावना लगता है। चारों-तरफ हरियाली देखने को मिलती है। लेकिन बारिश के समय वातावरण में नमी होने के कारण बैक्टीरिया और वायरस तेजी से पनपते हैं। इसलिए इस मौसम में सर्दी-जुकाम, वायरल फीवर, डेंगू, मलेरिया, फंगल इंफेक्शन और पेट संबंधित समस्याएं देखने को मिलती हैं। मौसम

इन तरीकों से करें अपनों का बचाव

» साफ और उबला हुआ पानी पिएं

मानसून के समय बारिश का पानी और पाइपलाइन का पानी आसानी से दूषित हो जाता है। जिससे बैक्टीरिया, वायरस और परजीवी पाए जाते हैं। जिससे पानी के सेवन से डायरिया, टाइफाइड, हैजा और पेट के संक्रमण का खतरा अधिक हो जाता है। इस दौरान हमेशा उबला हुआ, फिल्टर किया या पैक्ड पानी ही पिएं। बाहर यात्रा करते समय पानी की शुद्धता का ध्यान रखें।

» स्ट्रीट फूड खाने से बचें

बरसात के समय सड़क किनारे मिलने वाला खाना जल्दी खराब हो जाता है और इस पर मक्खियां व धूल-मिट्टी आसानी से लग जाती है। अगर आप स्ट्रीट फूड का सेवन करते हैं, तो फूड पॉइजनिंग, उल्टी, पेट दर्द और दस्त जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इस दौरान घर का ही खाना खाएं, तो बढ़िया है।

» व्यक्तिगत स्वच्छता का ध्यान रखें

बरसात के समय नमी बढ़ने से त्वचा में फंगल इंफेक्शन और बैक्टीरियल संक्रमण का खतरा अधिक देखने को मिलता है। दिन में एक बार स्नान जरुर करें और गीले कपड़े पहनना तुरंत बंद कर दें और हाथों का साबुन से धोने की आदत डालें। विशेषकर बगल, पैर की उंगलियों और स्किन की सिलवटों को साफ और ड्राई रखें।

» इम्यूनिटी वाला आहार का सेवन करें

मानसून के समय शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है, जिससे संक्रमण जल्दी पकड़ लेता है। अपनी डाइट में विटामिन-सी युक्त फल, हरी सब्जियां, हल्का और ताजा भोजन लें। वहीं, अदरक, हल्दी और तुलसी जैसे नेचुरल प्राकृतिव तत्व इम्यूनिटी को मजबूत करने में मदद करते हैं।

» मच्छरों से बचाव करें

बरसात के समय पानी हर जगह जमा हो जाता है। इस समय मच्छरों की संख्या भी बढ़ जाती है, जिससे डेंगू और मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियां फैल जाती है। इसलिए घर के आसपास पानी जमा न होने दें, मच्छरदानी का इस्तेमाल करें और जरुरत पड़ने पर रिपेलेंट लगाएं। साफ-सफाई का विशेष ख्याल रखें।

बेकिंग सोडा से दांत साफ करना सही है क्या, आइये इस आर्टिकल के जरिए जानते हैं

नियमित रूप से दांतों की सफाई के लिए दो बार ब्रश करना चाहिए। यह आपकी ओरल हेल्थ के लिए भी सही है। इससे दांतों में कैविटी नहीं लगती है और न ही मसूड़ों से संबंधित समस्या होती है। कुछ लोग दांतों की क्लीनिंग के लिए सिर्फ बाजार में मिलने वाले पेस्ट का उपयोग नहीं करते हैं। इसके अलावा दांतों पर बेकिंग सोडा भी लगाते हैं। ऐसे में यह सवाल जरूर मन में उठता है कि दांतों पर बेकिंग सोडा लगाना कितना सही है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि क्या बेकिंग सोडा का रोजाना कर सकते हैं।

बेकिंग सोडा जिसको सोडियम बाइकार्बोनेट के नाम से जानते हैं। इसमें अल्कलाइन प्रॉपर्टी पाई जाती है। जोकि दांतों की हेल्थ के लिए सही है। इसका इस्तेमाल करने से दांतों की ऊपरी परत के दाग-धब्बे दूर होते हैं। प्लाक कम करते हैं और मुंह का एसिड भी बेअसर हो जाता है। देखा जाए, तो दांतों पर बेकिंग सोडा लगाना पूरी तरह सुरक्षित है। हेल्थ एक्सपर्ट इसको ओरल क्लींजर भी कहते हैं। इससे दांतों का पीलापन दूर हो जाता है और दाग-धब्बे भी निकलते हैं।

» कितनी बार यूज करें

हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो सप्ताह में सिर्फ दो बार बेकिंग का इस्तेमाल करना काफी होता है। इससे ज्यादा बेकिंग सोडा इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इससे दांतों को फायदा होने की जगह नुकसान हो सकता है। ओरल हाइजीन के लिए आप रोजाना दो बार ब्रश करें और समय-समय पर फ्लॉसिंग भी करनी चाहिए।

» बेकिंग सोडा यूज करने के नुकसान

अगर आप रोजाना बेकिंग सोडा का दांतों पर इस्तेमाल करते हैं, तो यह सही नहीं है। इससे दांतों का इनेमल कमजोर हो सकता है, जिससे दांतों की सेंसिटिविटी बढ़ सकती है। यह मसूड़ों को भी प्रभावित करता है। हेल्थ एक्सपर्ट भी बताते हैं कि अगर किसी ने अपने दांतों पर क्राउन, ब्रेसेस या कैप लगा रखी है, तो उन लोगों को भी बेकिंग सोडा का इस्तेमाल कम करना चाहिए। ज्यादा इस्तेमाल करने से दांतों पर उपयोग हुए प्रोडक्ट कमजोर होकर निकल सकते हैं।

» बेकिंग सोडा के इस्तेमाल से दांतों की चमक बढ़ती है और दाग-धब्बे दूर होते हैं।

बेकिंग सोडा की सहायता से प्लाक दूर होता है।

मुंह से मौजूद एसिड भी बेकिंग सोडा से माइल्ड हो जाता है।

बेकिंग सोडा में अल्कलाइन पाया जाता है, जोकि मुंह की बदबू दूर करता है।

बेकिंग सोडा के इस्तेमाल से मुंह की बदबू से छुटकारा मिलता है।

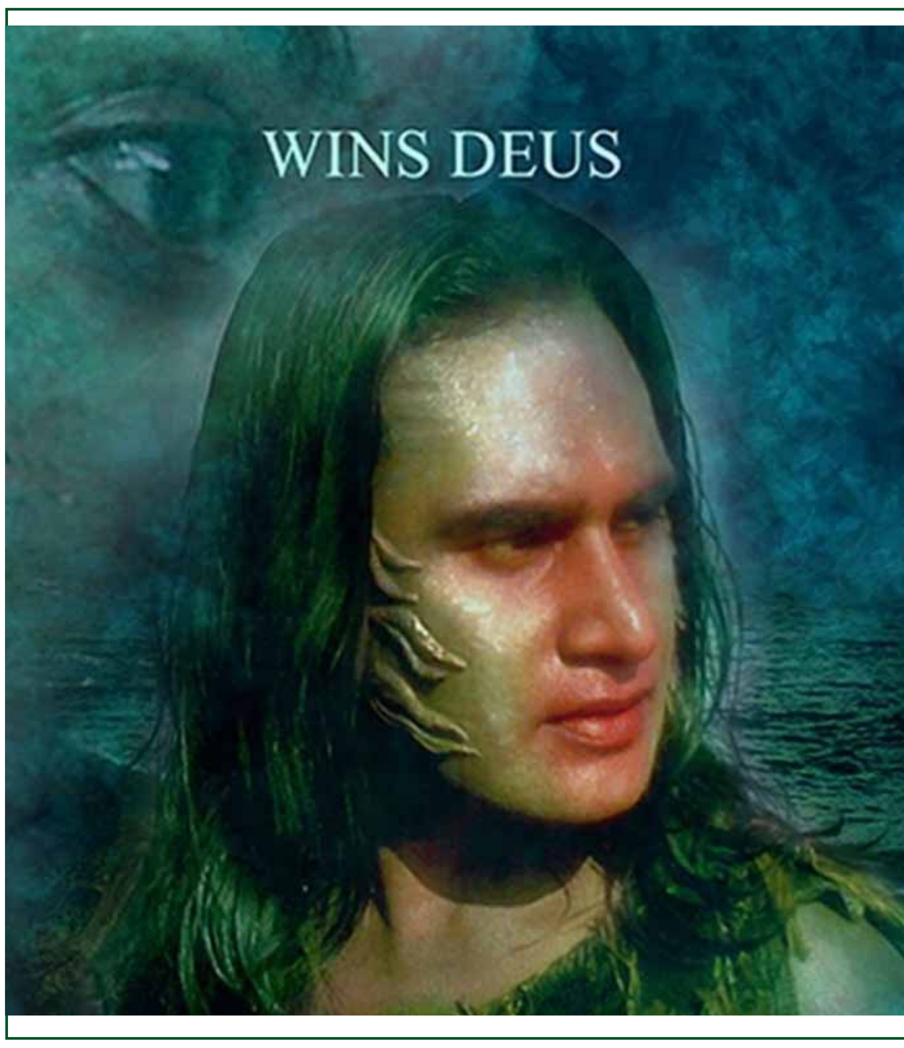

विश्व सिनेमा के गौरवशाली इतिहास को समर्पित भव्य आयोजन 'द सिनेमा प्रीमियर विद विंस डियस'

विश्व सिनेमा के इतिहास, उसकी कलात्मक विरासत और फिल्म निर्माण की विकास यात्रा को समर्पित एक भव्य अंतरराष्ट्रीय आयोजन 'द सिनेमा प्रीमियर विद विंस डियस' का आयोजन मुम्बई में किया जा रहा है। विश्व सिनेमा, साहित्य और अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माण का यह अद्वितीय उत्सव वैश्विक फिल्म संस्कृति, साहित्य और रचनात्मक अभिव्यक्ति का अनूठा संगम होगा। इस प्रतिष्ठित परियोजना को अमेज़न प्राइम वीडियो तथा शोरलाइन एंटरटेनमेंट के सहयोग से प्रस्तुत किया जा रहा है। इस अवसर पर बहुचर्चित अंतरराष्ट्रीय फिल्म 'द सिनेमा - अ ब्रीफ़ हिस्ट्री ऑफ वर्ल्ड सिनेमा (1821-2025)' को विशेष रूप से प्रदर्शित किया जाएगा।

इस फिल्म का निर्देशन, लेखन एवं छायांकन प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय फिल्मकार विंस डियस ने किया है, जिनकी रचनात्मक दृष्टि विश्व सिनेमा के इतिहास, भावनात्मक कथानक और कलात्मक दृश्य संरचना का अनूठा संगम प्रस्तुत करती है। यह महत्वाकांक्षी सिनेमाई परियोजना विश्व सिनेमा की उत्पत्ति, विकास, कलात्मक आंदोलनों, मूक फिल्मों, महान फिल्म हस्तियों और तकनीकी क्रांतियों की रोमांचक यात्रा को दर्शाती है।

इस विशेष समारोह का एक और प्रमुख आकर्षण होगा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित पटकथा पुस्तक 'वॉटरमैन ङ्क द लीजेंड ऑफ इवोल्यूशन' का आधिकारिक विमोचन। विंस डियस द्वारा लिखित यह पटकथा कल्पना, विकासवाद, पौराणिक तत्वों और सिनेमाई कथानक का अद्भुत मिश्रण प्रस्तुत करती है। विंस डियस एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित फिल्म निर्देशक, पटकथा लेखक, छायाकार, अभिनेता और लेखक हैं।

उन्होंने अपने करियर की शुरुआत प्रसिद्ध ड्रैकुला टेलीविजन प्रस्तुतियों से की और बाद में फिल्म निर्माण, पुस्तक लेखन तथा वैश्विक सिनेमाई परियोजनाओं के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। उनकी रचनात्मक शैली में गॉथिक फैंटेसी, सिनेमा का इतिहास, मानवीय भावनाएं और कलात्मक दृश्य संरचना का अनूठा समन्वय दिखाई देता है।

हॉलीवुड और भारत के विभिन्न स्थानों पर फिल्माई गई इस परियोजना में अंतरराष्ट्रीय कलाकारों और तकनीकी विशेषज्ञों ने सहभागिता निभाई है। फिलवक्त विंस डियस के निर्देशन में दो महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय फिल्म परियोजनाएं भी निर्माणाधीन हैं– 'द एक्टर्स' और 'वैम्पायर रॉहाइड' इन फिल्मों का निर्माण अश्विन देढिया एवं संजय वाया द्वारा किया जा रहा है। दोनों परियोजनाएं वैश्विक स्तर पर कलात्मक सिनेमा, फैंटेसी कथानक और प्रभावशाली दृश्य प्रस्तुति का नया अध्याय लिखने की दिशा में अग्रसर हैं।

इस समारोह के दौरान 'वॉटरमैन ङ्क द लीजेंड ऑफ इवोल्यूशन' पुस्तक का विमोचन प्रसिद्ध निर्माता अश्विन देढिया द्वारा किया जाएगा, जो 'वैम्पायर रॉहाइड' और 'द एक्टर्स' जैसी परियोजनाओं से जुड़े हैं।

इस अवसर पर पुस्तक की प्रथम प्रति राज भानोट ('द सिनेमा') तथा डॉ. दीक्षित ('वॉटरमैन') को भेंट की जाएगी। यह पुस्तक विश्वभर में अमेज़न, बार्न्स एंड नोबल, वॉलमार्ट, गूगल बुक्स, फ्लिपकार्ट, वॉटरस्टोन्स, बुकटोपिया सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उपलब्ध है।

प्रस्तुति - काली दास पाण्डेय

जेष्ठ पुर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने किया गंगा स्नान, पूजा-अर्चन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। हिंदू धर्म में पूर्णिमा का बहुत अधिक महत्व है। यूं तो पूर्णिमा प्रत्येक माह आती है लेकिन जेष्ठ मास की पूर्णिमा का अधिक महत्व है। सोमवार को जेष्ठ पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्रृद्धालुओं की बडी संख्या गंगा घटों पर दिखाई दी। सुबह पांच बजे से ही लोगों ने नगर के विभिन्न घाटों पर जाकर गंगा स्नान कर सूर्य को अर्द्ध दिया।

जेष्ठ मास की पूर्णिमा को खास तौर पर गंगा स्नान, पूजा एवं दान कर्म के साथ ही लक्ष्मी नारायण की पूजा के लिए विशेष माना जाता है। नगर के जाजमऊ घाट से लेकर गोला घाट, गुप्तार घाट, सरसैया घाट, मैग्जीन घाट से बिठूर के घाटों तक श्रद्धालुओं के रूप में आस्था का सैलाब दिखाई दिया। लोगों ने गंगा में स्नान कर अर्ध्य दिया और घाटों पर स्थित मंदिरों में भगवान शिव का जहां रूद्राभिषेक किया तो वहीं लक्ष्मी नारायण का पूजन कर अपने परिजनों के सुख-समृद्धि की कामनाये की। आचार्य राकेश तिवारी ने बताया कि सोमवार की ब्रम्ह बेला में पूर्णिमा तिथि लगी है और तिथी लगने से लेकर सूर्योदय तक का गंगा स्नान व पूजा अर्चना का समय श्रेष्ठ है।

उन्होने कहा कि जहां दान दक्षिणा करने से पितृरो का अर्शीवाद प्राप्त होता है तो वहीं विभिन्न पवित्र नदियों में स्नान करने से विशेष फल की प्राप्ती होती है। इस दिन पुण्य कर्म करने से उसे फल की प्राप्ती कई गुना बढ जाती है। नगर के अलावा बाहरी क्षेत्रों में निजी वाहनो से श्रद्धालु गंगा स्नान को पहुंचे। घाटों के बाहर मेले सा माहौल बना रहा। विभिन्न प्रकार के सामनो व खाने पीने की दुकानों में श्रद्धालुओं की भीड लगी रही।

नगर निगम जोन-2 कार्यालय के मुख्यद्वार की बनावट आंगतुकों को कर रही परेशान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। टाटमिल से रामदेवी की ओर जाने वाली जीटी रोड पर बने नगर निगम जोन-2 कार्यालय का मुख्य गेट कुछ इस प्रकार से बना है कि कार्यालय में आने जाने वाले लोगों को काफी परेशानी होती है। गेट का डिजाइन प्रवेश द्वारा के बीच पर एक चौड़ा खंभा है जिससे निकले दो पिलर ऊपर की छत को रोके है और बीच के खंभे के ऊपर एक मूर्ति लगी है।जीटीरोड बीएसएनएल कार्यालय के सामने बने नगर निगम जोन-2 कार्यायल में दो गेट है। एक गेट बाई तरफ है जिससे महज 10 प्रतिशत आवागम होता है और मुख्य द्वारा दाहिनी तरफ है। यहां आने वाले लोगों की परेशानी यह है कि उन्हे बड़ा संभलकर अन्दर जाना पडता है। जरा सी चूक हुई और पिलर ने उनका सिर फोड़ा। बता दें कि प्रेवश द्वारा के ठीक सामने एक चौड़ा पिलर दिया गया है और उससे दो पिलर दाहिने और बांए निकले है जो ऊपर की छत को संभाले है।इस कारण प्रवेश द्वारा पूरी तरह ढका हुआ है और लोगों को अगल-बगल से निकलना पडता है। इतना ही नही निगम कर्मचारियों का अडियल रवैया तो देखिये कि वाहन खडा करने की जगह होने के बाजूद पिलर के एक ओर वह अपने वाहन खडे कर देते है, बस एक तरफ जरा सा ही रास्ता बचता है। ऐसे में यदि दो या तीन लोग एक साथ निकलते है तो उन्हे झुकना पडता है।

निगम के ही एक सफाईकर्मी ने बताया कि बाबू रोज किसी न किसी के सर पर चोट लगती है। अब मुख्य बात यह कि यह डिजाइन किस आधार पर बनाई गयी है। लोगों का कहना कि छत साधने के लिए दोनो तरफ किनारे पर खंभे खडे किये जा सकते थे। मूर्ती कहीं और भी लगाई जा सकती थी, लेकिन अब यह निर्माण रोज लोगों को घायल कर रहा है। देखना यह है कि इस परेशानी से लोगों को कब तब निजात मिल पाती है।

शासन की मंशा के अनुरूप सुदृढ़ होंगे आंगनबाड़ी केंद्रः डीएम

» संभव अभियान 6.0 में कुपोषित बच्चों की होगी नियमित ट्रैकिंग, समय से उपचार के निर्देश

» गर्भवती-धात्री महिलाओं और छह माह से कम आयु के शिशुओं के पोषण पर रहेगा विशेष फोकस

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जनपद के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को शासन की मंशा के अनुरूप सुदृढ़ किया जाएगा। केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाओं के साथ बच्चों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को मिलने वाली पोषण सेवाओं की नियमित समीक्षा होगी। शुक्रवार को सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में जिला कन्वर्जेंस प्लान समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने आंगनबाड़ी केंद्रों के सुदृढ़ीकरण एवं संभव अभियान 6.0 के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, स्वास्थ्य तथा पंचायती राज विभाग आपसी समन्वय से संभव अभियान को सफल बनाएं। गंभीर एवं मध्यम कुपोषित बच्चों की समय से पहचान कर स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार सुनिश्चित किया जाए। चिकित्सकीय जटिलता वाले गंभीर कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में भर्ती कराने के साथ डिस्चार्ज के बाद नियमित फॉलोअप एवं गृह भ्रमण किया जाए।

बैठक में बताया गया कि संभव अभियान 6.0 का संचालन 01 जुलाई से 30 सितंबर 2026 तक किया जाएगा। इस वर्ष अभियान की थीम ÷गर्भावस्था से बाल्यावस्था तक पोषण सुरक्षा÷ है। अभियान के तहत गर्भवती एवं धात्री महिलाओं, नवजात शिशुओं तथा बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य में सुधार के साथ गंभीर कुपोषण (सैम) एवं मध्यम कुपोषण (मैम) की रोकथाम और प्रबंधन पर विशेष जोर रहेगा।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिदत्त नेमी, परियोजना निदेशक आलोक कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी (आईसीडीएस) प्रीति सिन्हा, जिला विकास अधिकारी आत्मप्रकाश रस्तोगी, जिला पंचायत राज अधिकारी मनोज कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

9 जुलाई तक देनी होगी आईआईटी छात्रों की आत्महत्या की जांच रिपोर्ट

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। आइआइटी में बीते 25 माह में 9 छात्र-छात्राओं ने आत्महत्या की है। पढाई के साथ गहरे अवसाद के कारण होने वाली इन आत्महत्याओं पर राज्य मानवाधिकार आयोग ने रिपोर्ट मांगी थी। इस पूरे प्रकरण में आयोग में हुई सुनवाई में मंडलायुक्त की तरफ से अपर आयुक्त प्रशासन ने जवाब दाखिल कर कहा था कि एडीएम सिटी की अध्यक्षता में जांच कमेटी बनाई गयी थी, जिस पर एडीएम ने आपत्ति जताते हुए दूसरी कमेटी बनाने को कहा था। अब 10 जुलाई को आयोग में इस प्रकरण के सम्बन्ध में सुनवाई होनी है।आइआइटी में छात्र-छात्राओं की आत्महत्या का मामला विचारणीय है। बीते 25 माह में 9 आइआइटी छात्र-छात्राओं ने आत्महत्या की। पूरे मामले को राज्य मानवाधिकार ने संज्ञान में लिया और 9 जुलाई तक रिपोर्ट करने को कहा था। सेंट्रल बार एसोसिएशन के महामंत्री प्रवीण फाइटर ने जनवरी में राज्य मानवाधिकार आयोग में याचिका दाखिल की थी और प्रकरण को उठाया था। पूरे प्रकरण पर आइआइटी रे जिस्ट्रार विश्व रंजन ने आयोग में 5 पेज की रिपोर्ट भी भेजी थी, जिसमें छात्रों को अवसाद तथा नशे से उबारने की व्यवस्थाओं के बारे में बताया था।वहीं पुलिस ने कहा था कि पढाई के दबाव और डिप्रेशन के चलते छात्र-छात्राएं आत्महत्या कर रहे है। इस मामले में बीते दिनों हुई सुनवाई में अपर आयुक्त प्रशासन ने जवाब दाखिल किया था कि जांच के लिए बनाई गयी कमेटी में एडीएम सिटी, सीएमओ तथा अपर निदेशक स्वास्थ्य शामिल थे। अब इस पूरे प्रकरण पर 9 जुलाई तक रिपोर्ट देनी होगी जिसके बाद आयोग में 10 जुलाई को सुनवाई की जायेगी।

हिन्दू लड़कियों से शादी करने वाला आगरा का इरशाद हुआ गिरफ्तार

» कानपुर की है दोनों युवतियां, अपना नाम बताया था विशाल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। लव जिहाद की जड़े लगातार मजबूत होती जा रही है, बड़ी बात यह कि इसमें अधिकांश हिन्दू युवतियों को निशाना बनाया जा रहा है। प्रदेश के इस अति संवेदनशील महानगर में लव जिहाद का खेल लगातार जारी है, जिसमें दो और लड़कियां जाल में फंस गई, जिन्हें बाद में पता चला कि उन्हें फंसा कर विवाह करने वाला विशाल नहीं बल्कि इरशाद है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार भी कर लिया है। जिसके बाद मामले की गहन छानबीन भी लगातार जारी है।

इस घटना का संबंध पनकी थाना क्षेत्र से है, जहां एक मुस्लिम युवक ने अपने को विशाल बताकर दो लड़कियों को प्रेम जाल में फंसा उनसे शादी भी कर ली।

जानकारी होने पर बजरंग दल वालों ने विरोध करते हुए पुलिस से संपर्क किया, जिसके बाद पुलिस ने एक फ्लैट पर छापा मारकर इरशाद नाम के मुस्लिम युवक को गिरफ्तार किया है, पुलिस ने बताया कि इरशाद ने खुद को विशाल बताकर हरदोई की अनुक्रति पांडे से धोखे से शादी की थी।पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी इरशाद ने पीड़िता और उसके बच्चे को कमरे में बंधक बना रखा था और जबरन मीट खाने व धर्म परिवर्तन का दबाव बना रहा था। इसी दौरान उसने एक और हिंदू लड़की से शादी की और उसे बहन बताकर दूसरे कमरे में रखा था। पीड़िता द्वारा गुप्त रूप से बजरंग दल से मदद मांगने के बाद पुलिस के सहयोग से यह रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया।

जानकारी के मुताबिक मूल रूप से आगरा का रहने वाला इरशाद ऑनलाइन जूते का कारोबार करने का दावा करता है। फिलहाल गिरफ्तार करने के बाद पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

ईमानदारी और बेदाग छवि के 28 साल: सहायक आयुक्त (खाद्य) डॉ. शशि पांडेय हुईं सेवानिवृत्त

कानपुर मंडल में दीं अनुकरणीय सेवाएं, विदाई समारोह में उमड़े अधिकारी और कर्मचारी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर मंडल में खाद्य सुरक्षा विभाग का एक अहम अध्याय 30 जून को संपन्न हो गया। अपनी कर्तव्यनिष्ठा और बेदाग कार्यशैली के लिए पहचानी जाने वाली सहायक आयुक्त (खाद्य) कानपुर मंडल, डॉ. शशि पांडेय 30 जून को अपनी 28 वर्षों की शानदार राजकीय सेवा पूरी कर सेवानिवृत्त हो गईं। विभाग में उनके इस लंबे और बेदाग सफर को यादगार बनाने के लिए एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मंडल भर के आला अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी।1998 से शुरू हुआ था सफर, ईमानदारी बनी पहचान

डॉ. शशि पांडेय ने वर्ष 1998 में शासकीय सेवा के रूप में अपने कार्यस्थल की शुरुआत की थी। लगभग 28 वर्षों के लंबे सेवाकाल के दौरान उन्होंने विभिन्न प्रशासनिक

चुनौतियों का सामना करते हुए खाद्य सुरक्षा के मानकों को कड़ाई से लागू कराया। पूरे कार्यकाल की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उनके दामन पर कभी भी कोई दाग नहीं लगा। उन्होंने पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ अपने दायित्वों का निर्वाह किया, जो आज के समय में प्रशासनिक अधिकारियों के लिए एक मिसाल है।पति प्रियदर्शी तिवारी सहित कई दिग्गज रहे मौजूदइस भावुक और गौरवशाली क्षण के साक्षी बनने के लिए डॉ. शशि पांडेय के पति प्रियदर्शी तिवारी भी समारोह में विशेष रूप से मौजूद रहे। उन्होंने डॉ. पांडेय के इस सफर में उनके संबल के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

विदाई समारोह में कानपुर मंडल के प्रशासनिक जगत की कई प्रमुख हस्तियों ने शिरकत की, जिनमें मुख्य रूप से शामिल रहे- रेनू (अपर आयुक्त, प्रशासन, कानपुर मंडल), सुशीला (अपर आयुक्त, न्यायिक, कानपुर मंडल), खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश वर्मा, कामेश शर्मा (प्रशासनिक अधिकारी), गोविंद लाल गुप्ता (डी.एल.ए.), ओमपाल सिंह (ड्रग इंस्पेक्टर) कनिष्ठ सहायक सुरंदा।सहकर्मियों ने बांधे तारीफों के पुलकार्यक्रम का संचालन और व्यवस्थाएं विभागीय सहयोगियों द्वारा बेहद गरिमापूर्ण ढंग से संभाली गईं। डॉ. पांडेय को विदा करते समय कई अधिकारियों की आंखें नम हो गईं। वक्ताओं ने उनके साथ बिताए पलों को याद करते हुए कहा कि डॉ. शशि पांडेय का मार्गदर्शन विभाग को हमेशा याद रहेगा।इस अवसर पर मुख्य रूप से लिपिक सत्यम द्विवेदी, मानवेंद्र प्रताप सिंह, संजय कुमार, शिवा यादव, अरुण मिश्रा, सिद्धार्थ, दिलीप कुमार, जीवा, प्रमोद सहित भारी संख्या में विभागीय कर्मचारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने डॉ. शशि पांडेय के उत्तम स्वास्थ्य और सुखी दीर्घायु जीवन की कामना की।

पीड़ित महिलाओं के लिए 'संजीवनी' बना वन स्टॉप सेंटर: एक ही छत के नीचे मिल रहा न्याय और हौसला

बीपीएस न्यूज़, विशेष जागरूकता अभियान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। घरेलू हिंसा, मानसिक उत्पीड़न, शोषण या किसी भी प्रकार की आपदा से घिरी महिलाओं के लिए 'वन स्टॉप सेंटर' (सखी) आज के दौर में एक मजबूत ढाल बनकर उभरा है। अक्सर कानूनी पचड़ों, पुलिस थानों के चक्कर और समाज के डर से जो महिलाएं चुप रह जाती थीं, उन्हें इस सेंटर के रूप में न्याय की एक नई किरण दिखाई दे रही है।

बीपीएस न्यूज़ की इस विशेष रिपोर्ट में हम आपको बता रहे हैं कि कैसे यह सेंटर टूटते परिवारों को जोड़ने और पीड़ित महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का काम कर रहा है।

क्या है वन स्टॉप सेंटर और कैसे करता है काम?

शारीरिक या मानसिक रूप से पीड़ित कोई भी महिला या बालिका जब इस सेंटर के दरवाजे पर पहुंचती है, तो उसे अपनी लड़ाई अकेले नहीं लड़नी पड़ती। सरकार द्वारा संचालित इस योजना का मुख्य

उद्देश्य पीड़ित महिलाओं को एक ही छत के नीचे पांच बड़ी सुविधाएं तुरंत उपलब्ध कराना है

आपातकालीन सहायता और बचाव- संकट की स्थिति में महिला को सुरक्षित माहौल देना।

चिकित्सकीय सहायता- घायल या अस्वस्थ होने पर तुरंत इलाज की व्यवस्था।कानूनी सलाह- कोर्ट-कचहरी और कानूनी अधिकारों के लिए मुफ्त विधिक सहायता।मनोवैज्ञानिक परामर्श (काउंसलिंग) - डिप्रेशन या मानसिक तनाव से उबारने के लिए एक्सपर्ट्स की मदद।अस्थायी आश्रय (शेल्टर) बिना किसी डर के 5 दिनों तक सेंटर में सुरक्षित ठहरने की व्यवस्था।

वन स्टॉप सेंटर मैनेजर ने बताया

वन स्टॉप सेंटर मैनेजर वंदना द्विवेदी ने बीपीएस न्यूज़ को बताया कि हमारा प्रयास केवल कानूनी कार्रवाई करना नहीं है, बल्कि पीड़ित महिला का खोया हुआ आत्मविश्वास वापस लौटाना है। काउंसलिंग के जरिए हम कोशिश करते हैं कि परिवार टूटने से बच जाएं, लेकिन जहां उत्पीड़न की सीमा पार होती है, वहां हम सख्त कानूनी रुख अपनाते हैं।

24 घंटे खुली रहती है मदद की लाइन

वंदना द्विवेदी ने बताया यह सेंटर पूरी तरह से सक्रिय है और टोल-फ्री नंबर 181 (महिला हेल्पलाइन) या स्थानीय सेंटर के माध्यम से यहाँ चौबीसों घंटे संपर्क किया जा सकता है। यहाँ आने वाली हर महिला की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाती है, ताकि समाज में उन्हें किसी भी प्रकार की असहजता का सामना न करना पड़े।

बीपीएस न्यूज़ की अपील

यदि आपके आस-पास कोई भी महिला घरेलू हिंसा, साइबर क्राइम या किसी भी प्रकार के शोषण का शिकार हो रही है, तो डरें नहीं। आवाज उठाएं और वन स्टॉप सेंटर की मदद लें। बदलाव की शुरुआत आपसे ही होगी।

महिला हेल्पलाइन-टोल-फ्री नंबर- 181

अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष का कानपुर में हुआ भव्य स्वागत

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर विद्या भूषण गोंड के प्रथम कानपुर आगमन पर कानपुर उत्तर एवं दक्षिण के पदाधिकारियों तथा जनजाति समाज के लोगों द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय में उनका भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं एवं समाज के लोगों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए संगठन की मजबूती एवं समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। अपने संबोधन में प्रदेश अध्यक्ष माननीय विद्या भूषण गोंड ने अनुसूचित जनजाति मोर्चा को और अधिक सशक्त बनाने, समाज के लोगों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा भारतीय जनता पार्टी की जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

उन्होंने आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर संगठनात्मक रणनीति एवं कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा करते हुए सभी कार्यकर्ताओं से पार्टी के निर्देशानुसार पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने का आग्रह किया। कार्यक्रम में जनजाति मोर्चा के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता हजारों की संख्या में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य रूप से संरक्षक श्रीकृष्ण दीक्षित प्रदेश संयोजक, नमामि गंगे विभाग उत्तर प्रदेश, कार्यक्रम संयोजक अनूप चौधरी (अध्यक्ष), अनुसूचित जनजाति मोर्चा कानपुर उत्तर, उपाध्यक्ष जितेंद्र गोंड, महामंत्री बिरजू बिहार, उपाध्यक्ष आराधना कनौजिया, विनोद कनौजिया, चंद्रभान चौधरी, कल्लू गिहार सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चौरीचौरा एक्सप्रेस में रिजर्वेशन सिस्टम फेल

आरक्षित कोचों पर जनरल यात्रियों का कब्जा, टीटीई नदारद

» कानपुर से इलाहाबाद तक नहीं होती चेकिंग, महंगा टिकट लेकर भी नारकीय सफर भुगत रहे यात्री

» कानपुर निवासी पीड़ित यात्री संदीप अस्थाना ने रेल मंत्री से की शिकायत, जांच की मांग

» बीपीएस न्यूज/अरूण अस्थाना

कानपुर। भारतीय रेलवे में नियमों को ताक पर रखकर सफर करने वाले अनाधिकृत यात्रियों के कारण वैध और आरक्षित टिकट वाले यात्रियों का सफर नारकीय बनता जा रहा है। ताजा मामला कानपुर सेंट्रल से इलाहाबाद (प्रयागराज) होते हुए गोरखपुर जाने वाली चौरीचौरा एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या-15003) का है, जहाँ स्लीपर और आरक्षित बोगियों की बदहाली को लेकर यात्रियों में भारी आक्रोश है। रेलवे प्रशासन की लापरवाही का आलम यह है कि जो यात्री पूरा पैसा देकर टिकट बुक कराता है, उसे प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है।

पैसा लगाने वाला तकलीफ में, जनरल टिकट वाले आराम से

कानपुर निवासी पीड़ित यात्री संदीप अस्थाना ने रेलवे की इस घोर लापरवाही को लेकर रेल मंत्री को सोशल मीडिया के माध्यम से मामले की शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित यात्री का आरोप है कि ट्रेन में रिजर्वेशन का अब कोई महत्व नहीं रह गया है। महंगा आरक्षित टिकट लेकर सफर करने वाले यात्री तो बोगियों में खड़े होने या सिकुड़कर बैठने को मजबूर हैं, जबकि जनरल टिकट लेकर चढ़ने वाले लोग आरक्षित सीटों पर लेटकर आराम से सफर कर रहे हैं।

कानपुर से इलाहाबाद तक कोई चेकिंग नहीं

यात्री संदीप अस्थाना ने बताया कि कानपुर सेंट्रल से ट्रेन छूटने के बाद इलाहाबाद स्टेशन आने तक पूरी बोगी में एक भी टीटीई या रेल सुरक्षा बल का जवान चेकिंग के लिए नहीं पहुंचता। इसी लापरवाही का फायदा उठाकर जनरल टिकट धारक और बिना टिकट वाले लोग आरक्षित बोगियों में जबरन घुस जाते हैं। भीड़ इतनी अधिक हो जाती है कि वैध टिकट वाले यात्रियों को अपनी ही सीट पर बैठने तक की जगह नहीं मिलती।

रेल मंत्री से हस्तक्षेप की मांग

पीड़ित यात्री ने नाराजगी जताते हुए कहा कि यह रेलवे प्रबंधन की बहुत बड़ी नाकामयाबी है। उन्होंने रेल मंत्री से पुरजोर अनुरोध किया है कि इस गंभीर मामले को तत्काल संज्ञान में लिया जाए। कानपुर से इलाहाबाद रूट पर चलने वाली चौरीचौरा एक्सप्रेस में नियमित रूप से बोगियों की औचक चेकिंग कराई जाए और आरक्षित डिब्बों में अवैध रूप से घुसने वाले यात्रियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि आम जनता का रेलवे की रिजर्वेशन व्यवस्था पर भरोसा कायम रह सके।

रेलवे एक्ट की उड़ रही धज्जियां

नियमानुसार, आरक्षित बोगी में बिना वैध रिजर्वेशन के यात्रा करना रेलवे अधिनियम की धारा 155 के तहत दंडनीय अपराध है। इसके लिए जुर्माना और जेल दोनों का प्रावधान है। लेकिन चौरीचौरा एक्सप्रेस में कानपुर सेंट्रल जैसे बड़े स्टेशन पर ही सुरक्षा बलों द्वारा बोगियों को चेक न करना रेलवे की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

जब औलाद ने छोड़ा साथ, तो कानून ने थामा हाथ!

बीपीएस न्यूज़ की बुजुर्गों के अधिकारों पर विशेष सामाजिक जागरूकता मुहीम (भाग- 1)

जिस घर में होता है बुजुर्गों का सम्मान, उस घर में साक्षात बसते हैं भगवान

प्रिय पाठकों, आज की आधुनिक और भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर उन हाथों को भूल जाते हैं, जिन्होंने हमें चलना सिखाया। समाज में बुजुर्गों के साथ बढ़ती उपेक्षा और अकेलेपन को देखते हुए 'बीपीएस न्यूज़' एक नई मुहिम शुरू कर रहा है। भारत सरकार द्वारा बनाए गए 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007' की संपूर्ण जानकारी हम हर हफ्ते किस्तों में आप तक पहुँचाएंगे। हमारा उद्देश्य केवल कानून बताना नहीं, बल्कि हर बुजुर्ग को उसका हक और हर नागरिक को उसका कर्तव्य याद दिलाना है। आइए, इस मुहिम से जुड़ें और जागरूक बनें।

अंक- 1: क्या है वरिष्ठ नागरिक अधिनियम 2007 और क्यों पड़ी इसकी ज़रूरत?

अक्सर हमारे समाज में बुजुर्ग अपने अधिकारों से अनजान होने के कारण चुपचाप कष्ट सहते रहते हैं। उन्हें लगता है कि कोर्ट-कचहरी के चक्कर कौन काटेगा? लेकिन साल 2007 में बना यह कानून बुजुर्गों के लिए एक वरदान की तरह है।

यह कानून क्यों ज़रूरी है?

सम्मान से जीने का हक: यह कानून सिर्फ कागजी नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी बुजुर्ग पैसे, भोजन, कपड़े, आवास या इलाज के अभाव में लाचार न रहे। साथ ही सुरक्षा सुनिश्चित कराना है ताकि वे समाज में सिर उठाकर सम्मान से जी सकें।

पारिवारिक शांति- इसका मकसद बच्चों को जेल भेजना नहीं, बल्कि उन्हें अपने माता-पिता के प्रति उनकी नैतिक और कानूनी जिम्मेदारी का अहसास कराना है।

कौन उठा सकता है इस कानून का लाभ?

1. वरिष्ठ नागरिक (Senior Citizens)- भारत का कोई भी नागरिक जिसकी उम्र 60 वर्ष या उससे अधिक है।
2. माता-पिता (Parents)-चाहे वे सगे हों, सौतेले हों या गोद लेने वाले। खास बात यह है कि माता-पिता के लिए 60 वर्ष की आयु सीमा का होना अनिवार्य नहीं है; यदि वे अपनी संतान पर आश्रित हैं और असहाय हैं, तो वे भी इस कानून के दायरे में आते हैं।

बीपीएस न्यूज़-सच्ची कहानी

कानून की जानकारी ने बदली 70 वर्षीय बिटान देवी की जिंदगी

कानपुर। माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 केवल एक कागजी कानून नहीं है, बल्कि बुजुर्गों का सच्चा संबल है।

इसका जीवंत उदाहरण चकेरी थाना क्षेत्र के काज़ीखेड़ा, लाल बंगला, गल्ला मंडी, थाना चकेरी में देखने को मिला, जहाँ एक बुजुर्ग मां को इस

कानून की बदौलत न सिर्फ मानसिक प्रताड़ना से मुक्ति मिली, बल्कि उनका बिखरता परिवार भी दोबारा एक हो गया।

क्या था मामला?

काज़ीखेड़ा निवासी 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला बिटान देवी ने 'बीपीएस न्यूज़' को अपनी आपबीती बताते हुए कहा कि उनका बेटा कुंवर सिंह (40 वर्ष) और बहू सीमा देवी उर्फ छाया देवी उन्हें छोटी-छोटी बातों को लेकर रोज़ परेशान करते थे

और घर में लड़ाई-झगड़ा आम बात हो गई थी। साल 2022 से प्रताड़ना और ज्यादा बढ़ गई।

बहू द्वारा बार-बार संबंधित पुलिस चौकी पर फर्जी प्रार्थना पत्र देकर बुजुर्ग माता-पिता का जीना दुश्वार कर दिया गया था।

एक जानकारी और बदल गई किस्मत

प्रताड़ना से तंग आ चुकी बिटान देवी को करीब दो महीने पहले एक परिचित के माध्यम से 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007' की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने बिना डरे सीधे एसडीएम (SDM) कोर्ट में वाद दाखिल कर दिया।

डेढ़ महीने में त्वरित न्याय और सुलह

एसडीएम कोर्ट में इस मामले को बहुत गंभीरता से लिया गया। कोर्ट में तेजी से कार्रवाई हुई और मात्र डेढ़ महीने के भीतर 5 तारीखें पड़ीं। एसडीएम कोर्ट में बुजुर्ग बिटान देवी ने साफ मांग रखी थी कि या तो बेटा-बहू उन्हें प्रति महीने 15000 का गुजारा भत्ता दें, अन्यथा उनका मकान खाली कर दें।

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए दोनों पक्षों की बातें सुनी गईं। इस दौरान सुलह अधिकारी डॉ. धीरेंद्र कुमार दोहरे ने बेहद अहम और सराहनीय भूमिका निभाई। उन्होंने दोनों पक्षों को समझाकर उनके बीच सम्मानजनक सुलह कराई।

बहू-बेटे ने मांगी माफी, घर में लौटी खुशहाली

बुजुर्ग पीड़िता बिटान देवी ने बताया कि सुलहनामे के दौरान बहू और बेटे को अपनी गलती का अहसास हुआ।

उन्होंने सबके सामने हाथ जोड़कर माफी मांगी और लिखित आश्वासन दिया कि वे भविष्य में कभी भी अपने माता-पिता को परेशान नहीं करेंगे।

मां का दिल तो आखिर मां का होता है

बच्चों के सुधरने के वादे पर बिटान देवी ने भी बड़प्पन दिखाते हुए सबके सामने कहा कि यदि बहू सीमा देवी

और बेटा कुंवर सिंह भविष्य में उन्हें और उनके पति को परेशान नहीं करेंगे, तो वे खुशी-खुशी उनके साथ मकान में रह सकते हैं।

बीपीएस न्यूज़ की सीख

बिटान देवी की कहानी हमें सिखाती है कि अन्याय सहना समाधान नहीं है। यदि बुजुर्गों को सही समय पर सही कानून की जानकारी मिल जाए, तो बिना कोर्ट-कचहरी भटके, बेहद कम समय (मात्र डेढ़ महीने) में घर का विवाद सुलझ सकता है। कानून का डर अपनों को सुधारने का जरिया भी बन सकता है।

अगले हफ्ते (अंक- 2) ज़रूर पढ़ें

हक की बात- भरण-पोषण (खर्चा) का दावा कौन, किस पर और कैसे कर सकता है? क्या पोते-पोतियों से भी खर्चा मांगा जा सकता है? साथ ही अगली नई सच्ची कहानी के साथ जानिए अगले हफ्ते केवल बीपीएस न्यूज़ पर।

मदद के लिए यहाँ संपर्क करें

राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक हेल्पलाइन (Elderline)-14567 (टोल-फ्री नंबर)

नज़दीकी सहायता-अपने क्षेत्र के उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (SDM) कार्यालय या स्थानीय पुलिस स्टेशन से संपर्क करें।

बीपीएस न्यूज
(साप्ताहिक समाचार पत्र)

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनों के अंदर भेजें।